प्रेरणास्त्रोतः स्व. डॉ. एलसी वालिया

लोक प्रेरणा

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

लोहारू से प्रकाशित

RNI No.HARHIN/2022/90426 वर्ष : 03, अंक: 20 पृष्ठ: 08, मूल्य: रू. 2.00 सोमवार, 30 जून 2025 lokparerna@gmail.com +91-9255149495

बिहार में शुरू हुआ विशेष गहन पुनरीक्षण

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

भारत निर्वाचन आयोग ने बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आरंभ कर दी है। इस अभियान का उद्देश्य प्रत्येक मतदाता की पात्रता की पुष्टि करना है, ताकि चुनावी प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और समावेशी बनाया जा सके। आयोग ने बताया कि यह कार्य संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुरूप हो रहा है, जो मतदान के लिए पात्रता की शर्तें निर्धारित करता है। आयोग की ओर से शनिवार को जारी जानकारी में बताया गया कि बिहार के सभी 243 विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में घर-घर जाकर गणना फॉर्म वितरित किए जा रहे हैं। इन फॉर्म को ऑनलाइन भरने की भी सुविधा दी गई है, जिससे प्रक्रिया को सरल और तकनीक-सक्षम बनाया गया है। बिहार में वर्तमान में कुल 7,89,69,844 पंजीकृत मतदाता हैं, जिनमें से करीब 4.96 करोड़ निर्वाचकों के नाम पहले से ही 1 जनवरी 2003 की आधार तारीख पर नामावली में हैं। इन्हें बस अपने विवरण की पुष्टि करके फॉर्म भरना और जमा करना है। निर्वाचन आयोग ने इस प्रक्रिया को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए 77,895 बूथ लेवल अधिकारियों की तैनाती की है, जबकि नए मतदान केंद्रों के लिए 20,603 अतिरिक्त बीएलओ नियुक्त किए जा रहे हैं। साथ ही, एक लाख से अधिक वॉलंटियर्स, विशेष रूप से वृद्ध, दिव्यांग, बीमार और अन्य कमजोर वर्गों की सहायता के लिए लगाए गए हैं। राजनीतिक दलों की भागीदारी भी उल्लेखनीय है। आयोग के अनुसार, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय राजनीतिक दलों ने अब तक 1,54,977 बूथ लेवल एजेंट नियुक्त किए हैं और और अधिक एजेंटों की नियुक्ति की प्रक्रिया जारी है। एसआईआर के तहत बिहार के 5.74 करोड़ पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर एसएमएस भेजे जा रहे हैं, जिससे मतदाताओं को समय रहते जानकारी दी जा सके। सभी प्रमंडलीय आयुक्तों और जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए गए हैं कि वे बीएलओ को पूर्णकालिक रूप से पुनरीक्षण कार्य में लगाएं। निर्वाचन आयोग के मुताबिक, एसआईआर से संबंधित सभी गतिविधियां निर्धारित समय-सीमा के अनुसार सुचारू रूप से चल रही हैं।

पुरी रथ यात्रा में भगदड़ को राहुल ने बताया प्रशासन की लापरवाही

इस तरह के बड़े आयोजनों के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारी बहुत मजबूत होनी चाहिए

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

ओडिशा के पुरी स्थित श्री गुंडिचा मंदिर के पास रविवार सुबह हुई भगदड़ की घटना को लेकर कांग्रेस नेताओं ने राज्य सरकार पर सवाल उठाए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने इस हादसे को बेहद दुखद और दर्दनाक बताया। साथ ही पीड़ितों के परिजनों के प्रति संवेदना जताई। बता दें कि इस हादसे में अब तक तीन श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है, जिनमें दो महिलाएं शामिल हैं, जबकि 50 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। हादसा उस वक्त हुआ जब सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु सुबह करीब चार बजे रथ यात्रा के दर्शन के लिए जुटे थे।

राहत कार्य तेज करे राज्य सरकार- राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि यह त्रासदी इस बात की गंभीर याद दिलाती है कि इस तरह के बड़े आयोजनों के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन की तैयारी बहुत मजबूत होनी चाहिए।" उन्होंने ओडिशा सरकार से राहत कार्यों को तेज करने की अपील की और कांग्रेस कार्यकताओं से हरसंभव मदद करने को कहा। साथ ही उन्होंने मृतकों के परिवार के प्रति गंभीर संवेदतना व्यक्त की। राहुल ने कहा कि मैं मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

लापरवाही और अव्यवस्था माफ नहीं की जा सकती- खरगे

वहीं दूसरी ओर इस हादसे को लेकर कांग्रेस राष्ट्रिय अध्यक्ष ने भी गहरा दुख जताया। उन्होंने कहा कि यह हादसा प्रशासन की लापरवाही और अव्यवस्था का नतीजा है, जो किसी भी हाल में स्वीकार्य नहीं है। खरगे ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान शुक्रवार को भी 500 से अधिक श्रद्धालु घायल हुए थे और अब यह हादसा हुआ है। यह साफ दशार्ता है कि प्रशासन की तैयारी पूरी तरह नाकाम रही। साथ ही खरगे ने राज्य सरकार से इस मामले में गंभीर जांच कराने और जिम्मेदार अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

छह की हालात गंभीर

हालांकि कांग्रेस पार्टी ने ये भी कहा है कि वह इस दुख की घड़ी में पीड़ितों के साथ खड़ी है और सभी राहत व चिकित्सा कार्यों में सहयोग देगी। पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ एस. स्वैन के अनुसार, घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से छह की हालत गंभीर बनी हुई है।

वरिष्ठ अफसर को रथ यात्रा की जिम्मेदारी

इस बीच, ओडिशा सरकार ने एक और बड़ा फैसला लेते हुए वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अरविंद अग्रवाल को रथ यात्रा की समग्र निगरानी का प्रभार सौंपा है। उन्हें पहले भी रथ यात्रा आयोजन का अनुभव है। वे फिलहाल उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त-सह-सचिव और खेल एवं युवा मामलों के विभाग में विशेष सचिव के अतिरिक्त प्रभार में हैं।

पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे का एलान

सरकार ने हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों को 25-25 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। सीएम ने विकास आयुक्त की देखरेख में विस्तृत प्रशासनिक जांच के आदेश दिए हैं।

सितंबर के बाद कर्नाटक की राजनीति में होंगे बदलाव: मंत्री

बंगलूरू/लोक प्रेरणा

कर्नाटक के एक मंत्री ने कहा है कि सितंबर के बाद राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव हो सकते हैं। मंत्री के इस बयान के बाद चचाओं का दौर शुरू हो गया है। जब इस बारे में सीएम सिद्धारमैया से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि इस बयान पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। गौरतलब है कि कर्नाटक में जब कांग्रेस की सरकार बनी थी, तब सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के बीच ढाई-ढाई साल सीएम बनने के फामूर्ले पर सहमति बनने की खबरें सामने आईं थी। यही वजह है कि मंत्री के ताजा बयान ने फिर से इस बदलाव को हवा दे दी है।

कर्नाटक सरकार में बदलाव की बात भी कही

कर्नाटक सरकार में मंत्री केएन राजन्ना ने कहा कि 'जहां तक कर्नाटक और राष्ट्रीय राजनीति का सवाल है, सितंबर के बाद इनमें बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। हम कर्नाटक के लोग सिर्फ सीएम, राष्ट्रपति और कैबिनेट में बदलाव के बारे में ही सोचते हैं, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर, ये भी ध्यान रखना चाहिए कि जो 75 साल के हो गए हैं, वे सार्वजनिक पद पर नहीं हो सकते। यह भाजपा और संघ की नीति है। इस नीति के तहत देश को नया प्रधानमंत्री भी मिल सकता है।' राजन्ना ने कहा कि कर्नाटक कांग्रेस पार्टी में भी बदलाव की मांग थी, कई लोग मंत्री बनना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 'कर्नाटक कांग्रेस पार्टी और सरकार में भी बदलाव की मांग उठ रही है, कई लोग मंत्री बनना चाहते हैं, कई लोगों के अपने एजेंडे हैं और जिसके जो भी एजेंडे हैं, वो सितंबर के बाद आकार ले सकते हैं।'

सीएम सिद्धारमैया ने किया खारिज

कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने केएन राजन्ना की टिप्पणी को खारिज कर दिया।

उन्होंने कहा कि बेहतर होगा कि इन बयानों को नजरअंदाज किया जाए। कर्नाटक विधानसौधा में पत्रकारों से बात करते हुए सीएम ने कहा कि पार्टी के भीतर कोई आंतरिक विवाद नहीं हैं। केएन राजन्ना ने जो कहा है कि 'वह शायद राज्य की राजनीति को लेकर कहा हो, लेकिन उन्होंने ये नहीं कहा कि ऐसा कुछ होने वाला है। इसलिए बेहतर होगा कि उनकी टिप्पणी को नजरअंदाज किया जाए।'

आरएसएस और बीजेपी अपनी पुरानी सोच से आगे बढ़ चुके हैं: सांसद शशि थरूर

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

देश में संविधान बनाम मनुस्मृति की बहस के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर का बयान सियासत में नई हलचल पैदा कर गया है। थरूर ने कहा है कि आरएसएस और बीजेपी अब बदल चुके हैं और संभवतः वे अपनी पुरानी सोच से आगे बढ़ चुके हैं। थरूर का यह बयान उस वक्त आया है जब कांग्रेस और विपक्षी दल लगातार आरएसएस-बीजेपी पर संविधान से छेड़छाड़ के आरोप लगा रहे हैं। दरअसल, हाल ही में आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने संविधान की प्रस्तावना से 'सेक्युलर' और 'सोशलिस्ट' जैसे शब्दों को हटाने का समर्थन किया था। उनके इस बयान के बाद राजनीतिक घमासान शुरू हो गया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया पर तीखा हमला करते हुए कहा कि आरएसएस-बीजेपी संविधान नहीं, बल्कि मनुस्मृति चाहते हैं। वे बहुजनों और गरीबों से उनके अधिकार छीनना चाहते हैं।

राहुल ने कहा कि हम ऐसा कभी नहीं होने देंगे और हर देशभक्त भारतीय संविधान की रक्षा करेगा।

शशि थरूर का संतुलित बयान

राहुल गांधी के इस बयान पर जब मीडिया ने शशि थरूर से सवाल पूछा तो उन्होंने थोड़ा संतुलित रुख अपनाते हुए कहा कि राहुल गांधी ऐतिहासिक तथ्य का जिक्र कर रहे थे। संविधान निर्माण के समय श्री गोलवलकर समेत कई लोगों ने कहा था कि संविधान में मनुस्मृति की कोई झलक नहीं है, जो एक कमी है। लेकिन मेरा मानना है कि आरएसएस अब उन दिनों से आगे बढ़ चुका है। आज उनकी सोच क्या है, यह वही बेहतर बता सकते हैं।

सूरत में सफल रहा निवेशकों के साथ इंटरैक्टिव सेशन: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल/लोक प्रेरणा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि रविवार को सूरत (गुजरात) में यहां के निवेशकों के साथ हुआ संवाद सत्र (इंटरैक्टिव सेशन) पूर्णतः सफल रहा। उन्होंने बताया कि सूरत में हुए इस आयोजन से मध्य प्रदेश को 15,710 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन निवेश प्रस्तावों के माध्यम से प्रदेश में 11,250 से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार देर शाम सोशल मीडिया 'एक्स' पर कहा कि मध्य प्रदेश अपार संभावनाओं की भूमि है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति को तेज करने और गुजरात राज्य के निवेशकों को उनके ही निकट सुविधा देने के लिए मध्य प्रदेश औद्योगिक विकास निगम का एक कार्यालय अहमदाबाद में भी खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि रविवार को उद्योग नगरी सूरत में आयोजित इंटरैक्टिव सेशन में सभी उद्यमी बंधुओं के साथ विस्तार से संवाद कर उन्हें मध्य प्रदेश में निवेश की अपार संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि गुजरात के प्रमुख उद्योगपतियों एवं निवेशकों के साथ प्रदेश में निवेश के संबंध में वन-टू-वन चर्चा भी की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुजरात राज्य के निवेशकों की प्रगतिशीलता एवं उद्यमशीलता की सराहना करते हुए कहा कि देश के विकास में गुजरात का अमूल्य योगदान है।

उपलब्धि: मंगल पर मिली पानी की नई परतें

जीवन की उम्मीद फिर प्रबल; मार्स रोवर ने रहस्यमयी इलाकों में की खुदाई

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

नासा के क्यूरियोसिटी रोवर ने मंगल ग्रह की सतह पर एक ऐसे रहस्यमयी इलाके में खुदाई शुरू की है, जहां से अतीत में पानी की मौजूदगी के मजबूत सुराग मिले हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज मंगल के जलवायु इतिहास को फिर से परिभाषित कर सकती है और यह संकेत दे सकती है कि वहां भूमिगत जल अनुमान से कहीं अधिक समय तक सक्रिय रहा। इसे मंगल में जीवन का संकेत भी माना जा सकता है। नासा का क्यूरियोसिटी मार्स रोवर वर्तमान में माउंट शार्प की तलहटी में स्थित बॉक्सवर्क नामक इलाके की जांच कर रहा है, जो मंगल की सतह पर 12 मील तक फैली हुई एक लंबी पर्वतमाला है। यह इलाका लंबे समय से ऑर्बिटल इमेजिंग (कक्षीय चित्रों) के जरिए देखा जा रहा था, लेकिन पहली बार रोवर वहां भौतिक रूप से पहुंचा है। यह क्षेत्र विशेष रूप से मैग्नीशियम सल्फेट जैसे नमकीन खनिजों से समृद्ध है जो आमतौर पर तब बनते हैं जब पानी सूखता है। इसका स्पष्ट संकेत है कि यह इलाका मंगल की सतह पर जलवायु के अत्यधिक शुष्क हो जाने के बाद बना।

कैल्शियम सल्फेट की नसें, भूमिगत जल का संकेत

चट्टानों में छोटी सफेद नसें मिली हैं, जो कैल्शियम सल्फेट जैसे खनिजों से बनी हैं। ये नसें दर्शाती हैं कि पानी किसी समय चट्टानों की दरारों में बहता था।

जलवायु समयरेखा में बड़ा बदलाव संभव

नासा का कहना है कि इस खोज का महत्व बहुत बड़ा है। अगर पुष्टि होती है कि ऊंची परतों में भी देर तक भूमिगत जल सक्रिय था, तो मंगल पर रहने योग्य अवस्था और उसके जलवायु परिवर्तन की समयरेखा को नए सिरे से परिभाषित करना होगा।

लैंडस्लाइड के चलते केदारनाथ हाईवे फिर बंद

नई दिल्ली/लोक प्रेरणा

मौसम विभाग ने देश के 31 राज्यों में बारिश की चेतावनी जारी की है। यूपी-बिहार समेत देश के 27 राज्यों में बारिश का यलो अलर्ट है। वहीं, उत्तराखंड, गुजरात, महाराष्ट्र (मध्य), केरल में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के सोनप्रयाग में शुक्रवार देर रात तेज बारिश के चलते लैंडस्लाइड हुई। इस वजह से केदारनाथ हाईवे बंद हो गया है। रास्ते से मलबे को हटाने का काम जारी है। पुलिस ने यात्रियों को कुछ दूर पहले सुरक्षित स्थान पर ही रोक लिया है। राजस्थान के 29 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट है। शुक्रवार को जैसलमेर, जयपुर, सीकर, अलवर समेत 25 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, बिजली गिरने से बूंदी में एक युवक और महिला, सिरोही में बच्चे और डूंगरपुर में युवक की मौत हो गई। महाराष्ट्र में तेज बारिश जारी है। मुंबई में समुद्र में हाई टाइड उठ रहा है। इस वजह से समुद्र किनारे की सड़कों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, महाराष्ट्र के चंद्रपुर का ताड़ोबा अंधारी टाइगर रिजर्व का मेन एरिया मानसून की वजह से 1 जुलाई से तीन महीने के लिए पर्यटकों के लिए बंद किया गया है।

मणिपुर: दो उग्रवादी गिरफ्तार; गोला-बारूद बरामद

इंफाल/लोक प्रेरणा

मणिपुर में सुरक्षा बलों ने एक बार फिर बड़ा ऑपरेशन चलाकर उग्रवादियों पर बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के बिष्णुपुर और तेंगनौपाल जिलों से प्रतिबंधित संगठनों के दो सक्रिय उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा इंफाल ईस्ट जिले में एक बड़ी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किए गए हैं। साथ ही तेंगनौपाल में भारत-म्यांमार सीमा के पास एक जिंदा बम को भी निष्क्रिय किया गया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शनिवार को बिष्णुपुर जिले के ओइनाम उषाखांगदाबी इलाके में छापेमारी कर कांगलेइपाक कम्युनिस्ट पार्टी (ताइबंगनबा गुट) का एक सक्रिय उग्रवादी पकड़ा गया। यह उग्रवादी लंबे समय से इलाके में संगठन के लिए काम कर रहा था। वहीं, तेंगनौपाल जिले में भारत-म्यांमार सीमा के पास पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) का एक सदस्य भी गिरफ्तार किया गया है।

यूपी बना खनन क्षेत्र में पारदर्शिता और तकनीक का मानक: सीएम योगी

लखनऊ/लोक प्रेरणा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उत्तर प्रदेश की एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य में खनन क्षेत्र की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह क्षेत्र अब केवल खनिज उत्पादन का जरिया नहीं, बल्कि राज्य की आर्थिक प्रगति, निवेश संवर्धन और स्थानीय रोजगार सृजन का प्रभावशाली केंद्र बन गया है। रविवार को आयोजित भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की गहन समीक्षा बैठक में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की खनन नीति अब पारदर्शिता और तकनीकी दक्षता का संगम बन चुकी है। विभागीय कार्यों की अद्यतन प्रगति से अवगत होते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2021-22 से 2024-25 तक खनिज राजस्व में औसतन 18.14% की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई है। वर्ष 2024-25 में मुख्य खनिजों से 608.11 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ, जबकि वर्ष 2025-26 में केवल मई माह तक ही 623 करोड़ की राजस्व प्राप्ति हो चुकी है, जो इस क्षेत्र की लगातार प्रगति और विभाग की दक्षता को दशार्ता है। मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हाल के वर्षों में फॉस्फोराइट, लौह अयस्क और स्वर्ण जैसे मुख्य खनिजों के पट्टों की सफलतापूर्वक नीलामी की गई है। उन्होंने निर्देश दिए कि कंपोजिट लाइसेंस प्रक्रिया को और तेज किया जाए तथा संभावित खनन क्षेत्रों की अग्रिम पहचान और भू-वैज्ञानिक रिपोर्टों की समयबद्ध तैयारी सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने यह भी रेखांकित किया कि स्पष्ट, पारदर्शी और प्रोत्साहक नीतियों के चलते जेएसडब्ल्यू, अडानी ग्रुप, टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट जैसी अग्रणी कंपनियां उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर गहरी रुचि दिखा रही हैं। राज्य को स्टेट माइनिंग रेडीनेस इंडेक्स में शीर्ष रैंकिंग दिलाने के लिए विभाग द्वारा 70 से अधिक उप-संकेतकों पर ठोस कार्य किया गया है। राज्य के सभी खनन जिलों में 100% माइन सर्विलांस सिस्टम लागू कर दिया गया है, पर्यावरणीय मंजूरियों की औसत अवधि में उल्लेखनीय सुधार आया है और नियामकीय प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनी है।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि में 'कैटेगरी-अ' की स्थिति सुनिश्चित करने के लिए शेष सुधारों को निश्चित समयसीमा में पूर्ण किया जाए। अवैध खनन, परिवहन और भंडारण की गतिविधियों पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री ने ट्रांसपोर्टरों के साथ समन्वय बनाकर एक मजबूत निगरानी तंत्र स्थापित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नदी के कैचमेंट एरिया में कहीं भी खनन की अनुमति नहीं दी जाएगी और यदि ऐसी गतिविधियां सामने आती हैं तो जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय होगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि अब तक 57 तकनीक-सक्षम चेकगेट्स स्थापित किए जा चुके हैं, 21,477 वाहन काली सूची में डाले गए हैं, जबकि व्हीकल ट्रैकिंग सिस्टम, कलर कोडिंग, व्हाइट टैगिंग जैसी प्रणालियाँ प्रभावी ढंग से कार्य कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि केवल मानक जीपीएस युक्त वाहन ही खनिज परिवहन हेतु अधिकृत किए जाएं और उन्हें वीटीएस मॉड्यूल से रीयल टाइम ट्रैक किया जाए।

भारत माता के वीर सपूत कर्नल शमशेर सिंह हुए शहीद, राजकीय सम्मान के साथ आज दी जाएगी अंतिम विदाई

लोक प्रेरणा

लोहारू। उपमंडल के गांव ढाणी रहीमपुर के भारत माता के वीर सपूत कर्नल शमशेर सिंह बिजारणियां शहीद हो गए। वीरवार को दिल्ली स्थित सेना भवन में उनके पार्थिव शरीर को लाया गया है जहां राष्ट्रीय सम्मान के साथ सेना के अधिकारियों और साथियों द्वारा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की जा रही है। सोमवार सुबह उनका पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव ढाणी रहीमपुर पहुंचेगा जहां राजकीय सम्मान के साथ वीर सपूत को अंतिम विदाई दी जाएगी। कर्नल शमशेर सिंह के शहीद होने के खबर के बाद पूरे गांव के लोगों की आंखे नम हैं।

शहीद शमशेर सिंह के भाई रणवीर सिंह ने बताया कि उनका भाई कोलाबा मुंबई में कर्नल की पोस्ट पर तैनात थे। विगत दिवस अहमदाबाद अपने बेटे शुभम का एडमिशन कराने के लिए माईका कॉलेज में गए थे। उन्होंने एडमिशन की सभी प्रक्रिया पूरी कर ली थी इसी दौरान उनको अचानक से हार्ट अटैक आ गया। जिसके बाद उनको प्राथमिक उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उनको मृत घोषित कर दिया। कर्नल शमशेर सिंह बिजारणियां के एक ही बेटा है शुभम है। गांव के सरपंच राकेश शर्मा, नंबरदार रघुवीर सिंह ने बताया कि गांव के वीर सपूत कर्नल शमशेर सिंह पर पूरे गांव को गर्व है। वीर सपूत को आज दोपहर राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी जाएगी।

मानसून की पहली बरसात से गर्मी और उमस से मिली राहत, कस्बे की गालियां और रेलवे अंडरब्रिज हुए पानी से लबालब

एक घंटे तक जमकर बरसे बदरा, मौसम हुआ सुहावना

लोक प्रेरणा

सतनाली। पिछले कुछ दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान सतनाली क्षेत्रवासियों को रविवार दोपहर बाद मानसून की पहली तेज बरसात से राहत मिली वहीं सतनाली कस्बे में जगह जगह जलभराव और रेलवे अंडरब्रिज पानी से लबालब हो गए जिससे लोगों को परेशानी भी उठानी पड़ी। बरसात के बाद कस्बे में उचित साफ सफाई व जलनिकासी व्यवस्था के अभाव में जगह जगह जलभराव हो गया तथा हालत विकट हो गए। निचले इलाको में घरों में पानी घुस गया तथा बाजार में भी कई दुकानों में पानी घुसने से सामान खराब हो गया। ऐसे में पंचायत द्वारा मानसून से निबटने की तैयारियों के दावे की भी पोल खुल गई। उल्लेखनीय है कि रविवार दोपहर बाद हुई तेज बरसात

के कारण मौसम सुहावना हो गया तथा लोगों को गर्मी से राहत मिली। वहीं कस्बे में तेज बरसात के बाद जलनिकासी के उचित प्रबंध न किए जाने के कारण जलभराव की स्थिति पैदा हो गई तथा जलभराव के कारण गलियों में गुजरने के लिए जगह नहीं रही जिससे आम लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सतनाली व आसपास के क्षेत्र के सोमवार दोपहर अचानक मौसम में बदलाव हुआ और आसमान में बादलों की घटाओं व तेज हवा के साथ बरसात शुरू हो गई तथा उसके बाद करीब एक घंटे तक बरसात जारी रही जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। तेज बरसात के कारण कस्बे के अस्थाई बस स्टैंड, दादरी रोड, पुराना बस स्टैंड क्षेत्र, महेंद्रगढ़ टी प्वाइंट, बाबा भैरव कॉलोनी, मोहल्ला कुम्हारन सहित सभी मुख्य स्थानों व गलियों में बरसाती पानी जमा हो गया। कस्बे से गुजरने वाले दादरी रोड़ रेलवे अंडरब्रिज, बाढड़ा रोड़ अंडरब्रिज, नावां के रास्ते पर बने अंडरब्रिज में बरसाती पानी का जलभराव हो गया जिस कारण इन मार्गो पर वाहनों का आवागमन ठप्प हो गया। रेलवे अंडरब्रिज पानी से लबालब नजर आए जिस कारण तालाब का नजारा बन गया। अंडर ब्रिज के नीचे से जलभराव होने के कारण वहां से वाहन चालकों को निकलने में खासी परेशानी हुई तथा अनेक वाहन इसके पानी में बंद हो गए। क्षेत्रवासियों का कहना है कि हर बार बरसात के समय रेलवे अंडरब्रिज तालाब का रूप ले लेते है तथा रेलवे द्वारा इन अंडर ब्रिज पर पानी निकासी के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए जाते है परंतु हालात वही ढाक के तीन पात रहते है।

उन्होंने रेलवे व प्रशासन से मांग की है कि रेलवे अंडर ब्रिज पर पानी निकासी के उचित प्रबंध किए जाए। कस्बे के लोगों ने भी पंचायत से जलनिकासी के उचित प्रबंध करने की मांग की है ताकि आगामी मानसून बरसात के दौरान भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न हो।

कल से लौटेगी स्कूलों में रौनक, मौज मस्ती के बाद स्कूल की तैयारियों में जुटे विद्यार्थी

लोक प्रेरणा

सतनाली। प्रदेश के सरकारी व गैर सरकारी स्कूलों में ग्रीष्मकालीन अवकाश 30 जून को समाप्त हो रहे है तथा इसके साथ ही मंगलवार यानि 1 जुलाई से स्कूलों में रौनक लौटेगी तथा स्कूल बसे सडकों पर दौड़ती नजर आएंगी। अवकाश खत्म होने के साथ ही स्कूली विद्यार्थी स्कूल जाने की तैयारियों में जुट गए है तथा आवश्यक प्रबंध करते हुए स्कूल बैग को पुनः तैयार कर रहे है। ग्रीष्मकालीन अवकाश समाप्त होने के साथ ही विद्यार्थी अपने नैनिहाल से व अपनी पर्यटन केंद्रों की यात्रा को समाप्त कर घर लौटने लग गए है तथा अवकाश के दौरान मिले गृहकार्य को पूरा कर स्कूल बैग में किताबें, कॉपियां व्यवस्थित तरीके से रख रहे है। ध्यान रहे कि सरकार व शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों में 30 जून तक ग्रीष्मकालीन अवकाश घोषित किए गए थे। अवकाश के दौरान स्कूली बच्चों ने खूब मौज मस्ती करते हुए अपने परिजनों के साथ धार्मिक व पर्यटन केंद्रों की यात्राएं की। वहीं अनेक बच्चे छुट्टियों में अपने नैनिहाल भी गए। अब अवकाश समाप्त होने के साथ ही बच्चे अब धार्मिक व ऐतिहासिक केंद्रों की यात्रा व ननिहाल से वापस लौट चुके है। स्कूल खुलने के बाद बच्चे अब अपना गृह कार्य समाप्त कर पढ़ाई में जुट जाएंगे। स्कूली छात्रा इशिता वालिया, अक्षिता ने बताया कि अवकाश के दौरान उन्होंने खूब मौज मस्ती की तथा अब स्कूल शुरू होने के साथ ही वे पुनः पढ़ाई में जुट जाएंगे। एक माह बाद स्कूल में जाना होगा, ऐसे में छोटी कक्षाओं के छात्र नर्वस भी महसूस कर रहे है। छात्रों को पुनः स्कूली माहौल में रमने के लिए करीब एक सप्ताह तो लग ही जाएगा। वहीं ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान सरकारी स्कूलों में अनेक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया जिसके तहत विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेकर अपने बौद्धिक व मानसिक विकास को भी विकसित किया।

आसमान से बरसी आफत : गांव रावा में मकान की छत गिरने से बुजुर्ग महिला की मृत्यु, पति गंभीर घायल

एकजोत

शाहाबाद मारकंडा। निकटवर्ती गांव रावा में रविवार सुबह तेज बारिश ने एक परिवार पर कहर बरपा दिया। भारी बारिश के चलते एक कच्चे मकान की छत अचानक ढह गई, जिसमें 62 वर्षीय सोमा देवी की मौके पर मृत्यु हो गई, जबकि उनके पति मिया राम गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की खबर फैलते ही गांव में शोक की लहर दौड़ गई। यह हादसा सुबह करीब 6 बजे उस समय हुआ, जब दंपती अपने पुराने कच्चे मकान में सो रहा था। जानकारी के अनुसार, मकान की छत लकड़ी की कड़ियों पर टिकी थी, जो बारिश का दबाव सहन नहीं कर पाई और भरभरा कर गिर गई। छत गिरने की तेज आवाज सुन कर आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और मलबा हटा कर दंपति को बाहर निकाला।

घायल सोमा देवी को आनन-फानन में आदेश मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वहीं, मिया राम को शाहाबाद के नागरिक अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर हालत में चंडीगढ़ पीजीआई रेफर कर दिया गया है।

बिजली गिरने की भी जताई आशंका : स्थानीय लोगों और परिजनों ने बताया कि हादसे के समय बारिश काफी तेज थी और छत के ऊपर बिजली गिरने जैसी आवाज भी सुनाई दी। आशंका जताई जा रही है कि मकान पर बिजली गिरने के कारण भी छत ढही हो सकती है। मलबे में घर का अधिकांश सामान दब कर नष्ट हो गया है।

तीनों बेटों के सिर से मां का साया उठा :

मृतका सोमा देवी के तीन बेटे झ मुकेश, नरेश और बंटी झ सभी विवाहित हैं। हादसे के वक्त बड़ा बेटा मुकेश पास के कमरे में था। छत गिरने की आवाज सुन कर वह दौड़ता हुआ आया और पड़ोसियों की मदद से अपने माता-पिता को अस्पताल पहुंचाया। मां की मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

पुलिस जांच में जुटी, मुआवजे की मांग :

सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एलएनजेपी अस्पताल कुरुक्षेत्र में भेजा। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की जांच में जुटी है। वहीं, ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित परिवार को तुरंत आर्थिक सहायता और मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि वे इस दुखद परिस्थिति में थोड़ी राहत पा सकें।

फोटो:29 एसबीडी 01 :
गांव रावा में गिरी मकान की छत।
फोटो:29 एसबीडी 02 :
महिला की मृत्यु के बाद विलाप करता

अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद और फ्रांस दूतावास के बीच ऐतिहासिक समझौता, भारत-फ्रांस सहयोग को नई दिशा

लोक प्रेरणा

फरीदाबाद। स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक कल्याण के क्षेत्रों में भारत और फ्रांस के बीच सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए, अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद ने भारत में फ्रांस के दूतावास के साथ एक स्मरणीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता करुणा, नवाचार और सामाजिक सेवा जैसे साझा मूल्यों पर आधारित भावी सहयोग की संभावनाओं को सशक्त करता है। यह ऐतिहासिक समझौता फ्रांस के भारत में राजदूत महामहिम श्री थिएरी माथू की केरल स्थित अमृतपुरी आश्रम की यात्रा के दौरान संपन्न हुआ। राजदूत माथू के साथ एक उच्च-स्तरीय फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल भी उपस्थित था। इस अवसर पर उन्होंने आध्यात्मिक गुरू और अमृता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति माता अमृतानंदमयी देवी (अम्मा) से मुलाकात की और अमृता द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा और मानवीय सेवा के क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों पर विस्तृत चर्चा की।

राजदूत श्री थिएरी माथू ने कहा,

"अम्मा और फ्रांसीसी आश्रमवासियों के साथ स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अद्भुत कार्यों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। अमृता हॉस्पिटल, फरीदाबाद और फ्रांसीसी दूतावास के बीच सहयोग की संभावनाएं अत्यंत उत्साहवर्धक हैं।"

यात्रा के दौरान जिन संभावित संयुक्त पहलों पर चर्चा हुई, उनमें सार्वजनिक स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, नैदानिक अनुसंधान, ज्ञान-विनिमय और सामाजिक विकास प्रमुख रहे।

मानसून की पहली तेज बरसात ने खोली नपा के जल निकासी व्यवस्था के दावों की पोल, खरीफ की फसलों को होगा फायदा, गर्मी से मिली राहत

-लोहारू के मुख्य बाजारों व गलियों में भरा बरसाती पानी, सिंघानी में नेशनल व स्टेट हाईवे पानी से हुए लबालब

लोक प्रेरणा

लोहारू। पिछले कई दिनों से बरसात की बाट जोह रहे लोहारू क्षेत्रवासियों को रविवार दोपहर बाद हुई मानसून की पहली तेज बरसात से उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। बरसात के कारण नगर के मुख्य बाजारों, गलियों व मुख्य चौक पर बरसाती पानी का जलभराव हो गया जिस कारण नपा द्वारा नगर में मानसून की बरसात के दौरान जल निकासी व्यवस्था के दावों की पोल भी खुल गई। बरसात के कारण शहर की विभिन्न जगहों पर जलभराव की समस्या बन गई। जलभराव के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित हुआ है। शहर के मुख्य चौक चौराहों व कई गलियों में पानी जमा हो गया जिसके कारण लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोहारू और

आसपास के क्षेत्र में करीब से 10 से 15 एमएम बरसात दर्ज की गई है। वहीं सिंघानी में एनएच 709 ई व स्टेट हाईवे लोहारू-सिवानी सडक मार्ग इस बरसात में पानी से लबालब हो गए जिसके कारण लोगों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रविवार को हुई बारिश के बाद शहर का मुख्य सडक मार्ग, देवीलाल चौक, परशुराम चौक, फरटिया रोड़, एसबीआई गली, पोस्ट ऑफिस रोड़, सब्जी मंडी, बस स्टेंड आदि प्रमुख स्थानों पर जलभराव हो गया। जलभराव के कारण लोगों को समस्या से दो चार होना पड़ा। वहीं यदि किसानों की बात की जाए तो किसान प्रभु काजला, रणधीर सांगवान, विनोद शर्मा, रघुवीर सिंह, भूपेंद्र कस्वां, राजेश सिंघानी, राजेश बरालु, बलवान सिंह सोहांसड़ा, संदीप कुमार आदि ने बताया कि विगत करीब पांच रोज से उमस भरी गर्मी से उनकी फसलें और दुधारू पशु प्रभावित हो रहे थे। रविवार को हुई बरसात से कपास, बाजरे, मूंग व ग्वार की फसल के लिए काफी फायदेमंद होगी। उन्होंने बताया कि अब उनकी फसल फुटाव पर है यह बरसात उनकी फसलों के लिए संजीवनी का काम करने वाली है। वहीं दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता भी बढ? वाली है। समाचार भेजे जाने तक बरसात का सिलसिला जारी था।

सिंघानी गांव में बारिश से सडकें डूबी

वहीं सिंघानी गांव में एनएच व स्टेट हाईवे लोहारू-सिवानी रोड का काफी बुरा हाल हो गया। स्थानीय लोगों के मुताबिक मात्र 10 मिनट की वर्षा में सडकें पानी से लबालब भर गई और लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने बताया कि कई बार यहां पर पानी भर जाने की शिकायतें की गई है लेकिन आज तक प्रशासन के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी।

फसलों को मिलेगा लाभ

कृषि अधिकारी डॉ. विनोद सांगवान ने बताया कि वर्षा से फसलों को बहुत लाभ मिलेगा क्योंकि काफी समय से वर्षा न होने के कारण फैसले मुरझा रही थी। अब उन फसलों को जीवनदान मिला है। इस समय हुई वर्षा कपास, ग्वार और बाजरे की फसल के लिए फायदेमंद है।

किसानों को समय-समय पर खासकर कपास की फसल का निरीक्षण करना चाहिए। क्योंकि इस तरह के मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का डर रहता है।

मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लेने के लिए करें ऑनलाइन पंजीकरण : उत्तम सिंह

लोक प्रेरणा

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है। अब लाभार्थियों को विवाह के ऑनलाईन पंजीकरण करवाने के उपरान्त ही योजना का लाभ दिया जाएगा। इसके लिए लाभपात्र विवाहिता की शादी का ई-दिशा पोर्टल पर पंजीकरण होना अत्यंत आवश्यक है। डीसी ने बताया कि मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना का लाभ लेने वाले परिवार को अपनी बेटी की शादी के 6 महीने पूरे होने से पहले ऑनलाइन पंजीकरण करवाना होगा। पंजीकरण करने उपरान्त ही विवाहित कन्या के माता-पिता को उक्त योजना का अनुदान दिया जाएगा।

आरएसएस की भामाशाह शाखा ने मनाया अपना शाखा वार्षिकोत्सव

लोक प्रेरणा

गुरुग्राम। आरएसएस गुरुग्राम के सरस्वती नगर की भामाशाह शाखा ने आज 29 जून दिन रविवार को प्रातः 07:30 से 09:00 बजे सुशांत लोक उ ब्लॉक के मेहंदी पार्क में अपना पहला वार्षिकोत्सव बहुत भव्य तरीके से मनाया । भामाशाह शाखा प्रतिदिन प्रातः 06:30 बजे से मेहंदी पार्क में लगती है और आज दानवीर भामाशाह जी के जन्मदिन के अवसर पर इसे ध्वज मिले हुए 1 वर्ष पूर्ण हो गया।

कार्यक्रम बहुत उत्साह पूर्ण तरीके से आरएसएस की शाखा लगाने से प्रारम्भ होकर विभिन्न खेल, व्यायाम, एवं दण्ड चलाने के प्रदर्शन के बाद आरएसएस गुरुग्राम के महानगर बौद्धिक शिक्षण प्रमुख श्री जोगिंदर जी के दिन विशेष बौद्धिक के साथ संपन्न हुआ।

जोगिंदर जी ने समाज मे संघ के सकारात्मक प्रभाव और आज के समय मे संघ कार्य के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। आरएसएस प्रमुख डॉ मोहन भागवत जी के बात को आगे रखते हुए समाज हित मे पंच परिवर्तन का विषय रखा और लोगों को नागरिक अधिकार के साथ नागरिक कर्तव्यों के प्रति सजग रहने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में 50 से ज्यादा पूर्ण गणवेश के स्वयंसेवक और 150 की संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया। विशेषकर खेल एवं दण्ड के प्रदर्शन को उपस्थित महिलाओं ने बहुत सराहा।कार्यक्रम में केंद्रीय एक्साइज एवं सर्विस ट्रिब्यूनल के पूर्व जज अनिल चौधरी जी मुख्य अतिथि के रूप में रहे तथा सुशांत लोक आरडब्ल्यूए के प्रधान दीपक वर्मा जी की गरिमापूर्ण उपस्थिति रही।

कार्यक्रम समापन पर शाखा कार्यवाह दीपक जी, मुख्य शिक्षक संतोष जी एवं शाखा पालक रोहित जी ने उपस्थित नागरिक समाज एवं मातृ शक्ति का अभिनंदन किया।

परेशानी का सबब बनी ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रालियां, यातायात में बाधक बन दे रही है हादसों को न्यौता,

देवीलाल चौक के पास क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय राजमार्ग 709 ई बना हादसों को केंद्र बिंदु

लोक प्रेरणा

लोहारू। एक तो देवीलाल चौक के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 709 ई की टूटी हुई सड़क और गहरे गड्ढे, दूसरी ओर बेखौफ दौड़ रही पशुचारे, ईंटों, पत्थरों व पदाडी से भरी ओवरलोड ट्रैक्टर ट्रालियां इन दिनों न केवल आमजन व वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई हैं। प्रशासन सब कुछ जानते हुए अनजान बना हुआ है। ओवरलोड वाहनों पर ना तो पुलिस प्रशासन कोई कार्रवाई कर रहा है और ना ही नेशनल हाइवे अथॉरिटी टूटे हुए सडक मार्ग को ठीक कर रहा है। प्रशासन की इस अनदेखी के कारण स्थानीय लोगों व वाहन चालकों में खासा रोष है। रविवार को एक ओवरलोड ट्रेक्टर देवीलाल चौक पर पलटते-पलटते बचा जिसको क्रेन के माध्यम से निकाला गया। उल्लेखनीय है कि लोहारू इलाके से प्रतिदिन सैकड़ों ट्रैक्टर ट्रालियां ओवरलोड तूड़ी, पदाडी से भरकर गुजर रही है, जो लोगों के साथ-साथ वाहन चालकों के लिए भी परेशानी का सबब बनी है। तूड़ी से भरे ट्रैक्टर हर रोज नगर के बीचों बीच से दिन के समय में गुजर रहे हैं। ट्रैक्टर चालक अपने वाहनों में क्षमता से अधिक पशु चारा भर लेते हैं। जिससे इन ट्रालियों की चौड़ाई 10 से 12 फीट तक हो जाती है और ज्यादातर वाहन चालकों को अपने गंतव्य पर पहुंचने के लिए गांवों से होकर गुजरना पड़ता है जहां संपर्क मार्गों की चौड़ाई कम ही होती है। लोहारू में इनके गुजरते वक्त दो फुट की जगह भी इसके साइड से निकलने के लिए नहीं बचती तथा इसके कारण न केवल अन्य वाहन चालकों को रास्ते से गुजरने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है बल्कि स्वयं इन ट्रैक्टर चालकों को भी भारी दिक्कत उठानी पड़ती है। एक तो ओवरलोड होने के कारण वाहन की ऊंचाई अधिक हो जाती है

जिससे उन्हें पीछे से आने वाले वाहन दिखाई नहीं पड़ते। मजबूरन अन्य वाहनों को उनके पीछे-पीछे ही चलना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर पुलिस व प्रशासन की ठोस कार्यवाही के अभाव में कृषि कार्यो में प्रयोग होने वाले ट्रैक्टर ट्रालियां क्षेत्र के मुख्य मार्ग पर ईंट व पत्थर ढोती भी देखी जा सकती है। इससे न केवल इनका व्यावसायिक प्रयोग हो रहा है बल्कि राजस्व को भी प्रतिमाह लाखों का नुकसान हो रहा है। ध्यान रहे कि सरकार ने पशु चारे की किल्लत को देखते हुए प्रदेश से राजस्थान की ओर जाने वाली तुड़ी पर रोक लगा रखी है लेकिन लोहारू में प्रतिदिन सैकड़ों ट्रालियां निदेर्शों की अवहेलना करते हुए प्रतिदिन लोहारू के रास्ते राजस्थान की ओर जा रही है जिस कारण कस्बे और गांवों से गुजरते समय अक्सर जाम की स्थिति पैदा हो जाती है। लोगों ने प्रशासन से ऐसे वाहनों पर अंकुश लगाने की मांग की है। वहीं एचएच 709 ई पिलानी-जयपुर की ओर जाने वाली सडक देवीलाल चौक गड्ढ़ों का केंद्र बिंदु बना हुआ है। हाइवे अथॉरिटी के बार-बार संज्ञान में लाने के बाद भी सडक जस की तस पड़ी है जिसके चलते बारिश का पानी यहां पर आकर जमा हो जाता है। थोड़ी बारिश होने पर ही सडक पानी से लबालब हो जाती है। यहां से गुजरने वाले दोपहिया वाहन चालक अक्सर यहां गिरकर घायल होते रहते हैं। स्थानीय निवासी प्रमोद कुमार, मनीष शर्मा, उमेद जांगिड़, हरीश शर्मा, संदीप कुमार, अमित कुमार, जितेंद्र कुमार आदि ने प्रशासन से देवीलाल चौक की दशा सुधारने व ओवरलोड वाहनों पर लगाम लगाने की मांग की है।

एनएच 709 ई के जेई जितेंद्र से बात की गई तो उन्होंने बताया कि देवीलाल चौक पर सडक मार्ग को ठीक करवाने के लिए मेंटेनेंस प्रपोजल तैयार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि इसके लिए ठेकेदार को बोल दिया गया है एक सप्ताह में देवीलाल चौक के क्षतिग्रस्त सडक मार्ग को ठीक करवा दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि देवीलाल चौक पर इंटरलॉक बिछाई जाएंगी और इसके लेवल को उंचा किया जाएगा ताकि बारिश का पानी सडक पर जमा न हो सके।

ओवरलोड वाहनों के बारे में थाना प्रभारी अशोक कुमार से बात की गई तो उन्होंने बताया कि ओवरलोड वाहनों की समय-समय पर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है। तूड़ी से भरे ट्रैक्टर को रात के समय निकाला जाता है। इसके बाद भी कोई कमी है तो जांच की जाएगी।

बीते 11 वर्षों में मोदी सरकार ने ऑयल और गैस सेक्टर में लाया बड़ा बदलाव : हरदीप पुरी

नई दिल्ली । केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि मोदी सरकार ने बीते 11 वर्षों में देश के ऑयल और गैस सेक्टर में डिजिटल इंडिया पहल के माध्यम से बड़ा बदलाव लाया है और इससे फ्यूल स्टेशनंस लेकर एलपीजी सिस्टम काफी स्मार्ट हो गए हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर की पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण बीते 11 वर्षों में डिजिटल इंडिया के माध्यम से हमारे ईंधन स्टेशन, रिफाइनरियां और एलपीजी सिस्टम भी स्मार्ट हो गए हैं। ईंधन पंपों पर यूपीआई से लेकर रिफाइनरियों में एआई तक, यह शांत तकनीकी बदलाव वास्तविक है और हर कदम पर दिखाई देता है।

इस पोस्ट के साथ केंद्रीय मंत्री ने एक वीडियो भी शेयर किया, जिसमें बताया गया कि ऑयल और गैस सेक्टर में शांतिपूर्ण तरीके से बड़ा बदलाव आया और पहले के मुकाबले तकनीक का काफी

इस्तेमाल बढ़ा है। मौजूदा समय में करीब सभी फ्यूल स्टेशन ऑटोमेटिड हो चुके हैं और फ्यूल डिस्पेंसिंग यूनिट और स्टॉक को डिजिटल तौर पर कंट्रोल और मॉनिटर किया जा रहा है।

वीडियो में आगे बताया गया कि करीब सभी फ्यूल स्टेशनंस पर यूपीआई को स्वीकार किया जा रहा है। इसके अलावा एलपीजी सिस्टम में डीबीटी (डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर) को लाया गया है, जिससे 3.48 लाख करोड़ रुपए बचाने में मदद मिली है।

इसके अतिरिक्त, रिफाइनरी में डिजिटल ट्विन और एआई के माध्यम से डाउनटाइम को कम किया गया और इससे आउटपुट बढ़ाने में मदद मिली है। वहीं, ओएएलपी पोर्ट्ल के माध्यम से सरकार ने ई-नीलामी के जरिए देश में तेल और गैस की खोज को बढ़ावा दिया है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि नरेंद्र मोदी सरकार ने भारत के 3.5 मिलियन स्क्वायर किलोमीटर के तलछटी बेसिन में से एक मिलियन स्क्वायर किलोमीटर क्षेत्र को तेल एवं गैस खोज के लिए खोल दिया है, जो पहले हाइड्रोकार्बन खोज के लिए प्रतिबंधित था।

भारत की नन्हीं योग सितारा वान्या शर्मा का अंतरराष्ट्रीय मंच पर चयन

नई दिल्ली। योग की दुनिया से गर्व की खबर सामने आई है। दिल्ली की 7 वर्षीय योग साधिका वान्या शर्मा का चयन 31ा वरऋ एशिया पैसिफिक योग स्पोर्ट्स चैंपियनशिप 2025 के लिए हुआ है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता आगामी 3 सितम्बर 2025 को मलेशिया में आयोजित की जाएगी, जहां वान्या आर्टिस्टिक योग व ट्रेडिशनल (गर्ल्स) श्रेणी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

दिल्ली के एस.डी. पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा में पढ़ने वाली वान्या महज तीन वर्ष की उम्र से योग कर रही हैं। आज वह अपनी अद्भुत लचीलापन, कठिन योग मुद्राओं और मंच पर आत्मविश्वास के लिए प्रसिद्ध हैं। वान्या अब तक 100 से अधिक पुरस्कार और 14 विश्व रिकॉर्ड अपने नाम कर चुकी हैं। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई बार भारत का नाम रोशन किया है।

बताया गया है कि वान्या ने 14 जून 2025 को आयोजित ऑनलाइन चयन प्रतियोगिता में अपनी शानदार प्रस्तुति से निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनकी मेहनत, अनुशासन और समर्पण ने उन्हें इस अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया है। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए वान्या 2 सितम्बर को मलेशिया रवाना होंगी और 5 सितम्बर को स्वदेश लौटेंगी। आयोजकों ने यात्रा, आवास और कार्यक्रम से जुड़ी विस्तृत जानकारी जल्द ही साझा करने का आश्वासन दिया है।

वरऋ इंटरनेशनल की कार्यकारी समिति सदस्य ज्योति पाल और फेडरेशन के अध्यक्ष सुरेश कुमार ने वान्या को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि वान्या का यह चयन न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत सफलता है, बल्कि भारत में योग खेलों की बढ़ती प्रतिष्ठा का प्रतीक भी है। भारत को अपनी इस नन्ही योगिनी पर गर्व है, जो अपनी कला और निष्ठा से देश का नाम पूरी दुनिया में रोशन कर रही है।

आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में बढ़ते नशा और अपराध के खिलाफ कांग्रेस का जबरदस्त प्रदर्शन

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस परिवार के द्वारा कांग्रेस का युद्ध नशे और अपराध के खिलाफ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के आदर्श नगर इलाके में स्थित लेबर चौक से मार्च निकाला,और ये मार्च आदर्श नगर के कई क्षेत्रों से होते हुए आदर्श नगर मैट्रो स्टेशन के पास आकर संपन्न हुआ। इस मौके पर पूर्व मंत्री दिल्ली सरकार मंगतराम सिंघल, विधानसभा प्रभारी सिद्धार्थ कूंडू, आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस के पूर्व प्रत्याशी शिवांक सिंघल,आजादपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भारत सिंह राघव, आदर्श नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल,धीरपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूषण मित्तल सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

साढ़े 6 वर्ष बीत जाने के बाद भी पूरा नहीं हो पाया नई सीवरेज व पाइप लाइन कार्य

कार्य की शुरूआत से ही विभाग व ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर उठते रहे है सवाल, अनियमितताओं का निरीक्षण तक कर चुके है तत्कालीन उपायुक्त व एसडीएम

लोक प्रेरणा

सतनाली। ग्रामीण स्तर पर जल निकासी व्यवस्था कायम करवाने के उद्देश्य की योजना के तहत सतनाली कस्बे में वर्ष 2018 में शुरू कराया गया सीवरेज लाइन बिछाने का कार्य 7 वर्ष बीत जाने के बाद भी अधूरा है। ऐसे में जनस्वास्थ्य विभाग व संबंधित ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है वहीं कार्य पूरा करवाने के लिए विभाग भी गंभीर नजर नहीं आ रहा। सीवरेज कार्य पूरा न होने तथा सीवरेज लाईन साढ़े 6 वर्ष बाद भी चालू न किए जाने से इस योजना में भ्रष्टाचार की बू आ रही है। यह भी काबिले गौर है कि सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य के बाद सतनाली में अब तक जनस्वास्थ्य विभाग इस योजना पर साढ़े 6 वर्ष बाद भी कार्य पूरा नहीं कर पाया है। ध्यान रहे कि दिसंबर 2018 में जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा ग्राम पंचायत सतनाली में सीवरेज व्यवस्था का कार्य शुरू करने के लिए करीब सात

करोड़ की लागत से टेंडर जारी किया गया था। सीवरेज व्यवस्था के लिए पंचायत द्वारा रावला जोहड़ के पास लगभग 8 एकड़ जगह चिन्हित की गई थी। संबंधित ठेकेदार द्वारा कुछ दिनों बाद ही काम शुरू कर दिया गया था तथा सीवरेज कार्य शुरू होने के बाद से लोग ठेकेदार व विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली पर सवाल उठाते रहे है। ग्रामीणों का आरोप था कि संबंधित ठेकेदार द्वारा कार्य के दौरान भारी अनियमितताएं बरती गई तथा कस्बे की गलियों को तोडकर सीवरेज लाइन बिछा दी तथा टेंडर की शर्तों के अनुसार इसके साथ ही बिछाई जाने वाली पेयजल पाइप लाइन को नहीं बिछाया गया।

ग्रामीणों की लगातार शिकायतों के बाद इस मामले को लेकर तत्कालीन एसडीएम विश्राम कुमार मीणा व तत्कालीन जिला उपायुक्त आर के सिंह ने मौके का निरीक्षण कर जांच का आश्वासन दिया था। मामले में जांच तो दूर बल्कि न तो सीवरेज कार्य की अनियमितताएं दूर की गई न ही कार्य पूरा किया गया।

40 प्रतिशत कार्य अभी भी अधूरा:-

सूत्रों की मानें तो कस्बे में अभी तक केवल 60 प्रतिशत कार्य ही पूरा किया गया है तथा बाकी कार्य पूरा करने के लिए विभाग गंभीर नहीं है। कस्बे में अनेक गलियां ऐसी है जहां सीवरेज व पाईप लाईन लाईन बिछाई ही नहीं गई।

टेंडर की शर्तो के अनुसार गलियों में तोड़ी गई सडकों की मरम्मत तक नहीं की गई। ठेकेदार ने बिना नक्शे के ही सीवर लाइन बिछा दी, जहां नक्शे के अनुसार बिछनी थी वहां सीवर लाइन बिछाई ही नहीं जबकि लोगों के खेतों में बनाई गई कालोनियों में सीवरेज लाईन बिछाई गई है। ऐसे में विभाग की कार्यप्रणाली व अधिकारियों के रवैये पर सवाल उठ रहे है। क्षेत्रवासियों ने मामले को लेकर मुख्यमंत्री सहित जिला उपायुक्त को शिकायत भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच करने व सीवरेज कार्य के टेंडर व नक्शे के अनुसार सीवरेज व पाइप लाइन कार्य पूरा करवाने की मांग की है।

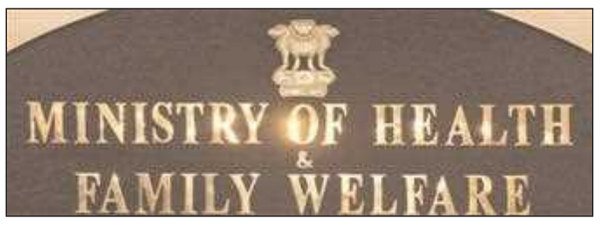

भारत का टीकाकरण कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर एक मिसाल, जीरो-डोज बच्चों की संख्या भी घटी: केंद्र

नई दिल्ली । लैंसेट पत्रिका में प्रकाशित एक हालिया अध्ययन में भारत को उन आठ देशों में शामिल किया गया, जहां जीरो-डोज बच्चे (यानी वे बच्चे जो नियमित टीके से वंचित हैं) की संख्या अधिक है।

केंद्र सरकार ने शनिवार को कहा कि भारत की बड़ी आबादी और वैक्सीनेशन रेट को ध्यान में रखना जरूरी है। सरकार ने बताया कि भारत का टीकाकरण कवरेज वैश्विक औसत से बेहतर है।

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, भारत ने टीकाकरण में उल्लेखनीय प्रगति की है। साल 2023 में डिप्थीरिया-टेटनस-पर्टुसिस (डीटीपी) टीके की पहली खुराक (पेंटा-1) का कवरेज 93 प्रतिशत रहा, जिसमें 2.65 करोड़ शिशुओं में से 2.47 करोड़ को टीका लगा। यह नाइजीरिया के 70 प्रतिशत की तुलना में काफी अधिक है।

डीटीपी-1 से डीटीपी-3 तक ड्रॉपआउट दर 2013 में 7 प्रतिशत से घटकर साल 2023 में 2 प्रतिशत हो गई। खसरे के टीके का कवरेज भी 2013 के 83 प्रतिशत से बढ़कर 2023 में 93 प्रतिशत हो गया।

साल 2023 के डब्ल्यूयूईएनआईसी रिपोर्ट के मुताबिक, जीरो-डोज बच्चों की संख्या भारत की कुल आबादी का 0.11 प्रतिशत थी, जो 2024 में घटकर 0.06 प्रतिशत हो गई। यह यमन (1.68 प्रतिशत), सूडान (1.45 प्रतिशत), अंगोला (1.1 प्रतिशत), अफगानिस्तान (1.1 प्रतिशत), नाइजीरिया (0.98 प्रतिशत), डीआर कांगो (0.82 प्रतिशत), इथियोपिया (0.72 प्रतिशत), इंडोनेशिया (0.23 प्रतिशत), और पाकिस्तान (0.16 प्रतिशत) से काफी कम है।

मंत्रालय ने कहा कि भारत की बड़ी आबादी और टीकाकरण दर को नजरअंदाज कर तुलना करना गलत है।

लैंसेट अध्ययन के अनुसार, साल 2023 में विश्व के 1.57 करोड़ गैर-टीकाकृत बच्चों में से आधे से अधिक आठ देशों में थे, जिनमें भारत भी शामिल है। लेकिन भारत ने पोलियो (2014) और मातृ-नवजात टेटनस (2015) को खत्म करने के साथ-साथ 2025 में खसरा-रूबेला अभियान शुरू कर अपनी प्रतिबद्धता दिखाई।

मंत्रालय ने बताया कि भारत का टीकाकरण कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर एक मिसाल है, जैसा कि संयुक्त राष्ट्र की 2024 की रिपोर्ट में भी स्वीकार किया गया है।

आईपीएस पराग जैन को 'रॉ' का नया प्रमुख नियुक्त किया गया, रवि सिन्हा की जगह लेंगे

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने पंजाब कैडर के 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी पराग जैन को रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का नया प्रमुख नियुक्त किया है। वह रवि सिन्हा की जगह लेंगे, जिनका मौजूदा कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है।

जैन 1 जुलाई 2025 को दो साल के निश्चित कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण करेंगे। पराग जैन सिन्हा के बाद दूसरे नंबर पर थे। उन्होंने आतंकवाद निरोधक विशेषज्ञ माना जाता है और उन्हें खास तौर पर अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल है। अफगानिस्तान-पाकिस्तान क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने वाले आतंकवाद निरोधी विशेषज्ञ के रूप में उनकी विशेषज्ञता, विशेष रूप से सीमा पार आतंकी नेटवर्क को डिकोड करने में, आने वाले वर्षों में रॉ की स्थिति को आकार देने की उम्मीद है।

जैन की नियुक्ति भारत के कुछ सबसे संवेदनशील सुरक्षा परिदृश्यों में सामने आई है। वह वर्तमान में एविएशन रिसर्च सेंटर का नेतृत्व कर रहे हैं। जैन को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान खुफिया प्रयासों को आगे बढ़ाने का श्रेय दिया जाता है। इस मिशन के तहत भारतीय सेना ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पीओके में 9 आंतकी ठिकानों पर लक्षित हमले किए और उनको तबाह किया था। बता दें रिसर्च एंड एनालिसिस विंग भारत की विदेशी खुफिया एजेंसी है। 1968 से पहले, इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) ही देश के अंदर और बाहर, दोनों तरह की खुफिया जानकारी जुटाने का काम करता था। लेकिन, 1962 के भारत-चीन युद्ध और 1965 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के बाद और सटीकता से विदेशी खुफिया जानकारी इकट्ठा करने के लिए एक अलग एजेंसी की जरूरत महसूस की गई। इसी जरूरत को पूरा करने के लिए 'रॉ' का गठन किया गया।

उल्लेखनीय यात्रीभार होने के बावजूद सतनाली रेलवे स्टेशन पर नहीं हो रहा प्रमुख ट्रेनों का ठहराव: शेखावत

सतनाली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने बैठक के बाद सौंपा ज्ञापन

लोक प्रेरणा

सतनाली। कस्बा स्थित रेलवे स्टेशन परिसर में सतनाली रेल सेवा समिति के संयोजन में क्षेत्र के गणमान्य लोगों व सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान सतनाली रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव सहित रेल संबंधित समस्याओं व मांगों को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक उपरांत सतनाली रेल सेवा समिति द्वारा विभिन्न मांगों को लेकर रेलवे स्टेशन मास्टर के माध्यम से महाप्रबंधक, उत्तर-पश्चिम रेलवे, जयपुर के नाम से ज्ञापन सौंपा गया। रेल सेवा समिति के प्रधान दीवान सिंह शेखावत ने बताया कि उपतहसील मुख्यालय सतनाली हरियाणा व राजस्थान के 80 सैनिक बाहुल्य गांवों का मुख्य रेलवे स्टेशन है और यहां से प्रतिदिन भारी संख्या में यात्री यात्रा करते हैं। स्टेशन पर कुछ ही ट्रेनों का ठहराव है जिनसे उल्लेखनीय यात्री भार के बावजूद अनेक एक्सप्रेस ट्रेनों का ठहराव नहीं दिया गया है जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में सतनाली स्टेशन पर 22471/72, दिल्ली-बीकानेर इंटरसिटी का ठहराव किया जाए। यह काफी पुरानी मांग है। व्यापक यात्री हित में बीकानेर मंडल द्वारा सतनाली ठहराव को वाणिज्यिक रूप से औचित्यपूर्ण ठहराया जा चुका है, इस गाड़ी के ठहराव के लिए सांसद द्वारा भी अनेक पत्र लिखे जा चुके हैं फिर भी ठहराव नहीं दिया जा रहा है। वहीं 19701/02, दिल्ली सराय रोहिल्ला जयपुर सैनिक एक्सप्रेस का उल्लेखनीय यात्रीभार होने के बावजूद कोरोना काल के बाद महज सतनाली से ठहराव वापस ले लिया गया है जबकि अनेक स्टेशन जिनका यात्री भार सतनाली से कम है, पर इस ट्रेन का ठहराव यथावत है। सतनाली सहित आसपास के गांवों के यात्रियों व सैनिकों के लिए रात को जयपुर एवं खाटू श्याम जाने वाले यात्रियों के लिए यही एकमात्र ट्रेन थी। स्टेशन पर सीकर की ओर चलने वाली एक भी एक्सप्रेस ट्रेन का ठहराव नहीं है। इसी प्रकार 14713/14, दिल्ली सराय सीकर एक्सप्रेस का सतनाली ठहराव किया जाए। इस ट्रेन का सतनाली स्टेशन पर व्यापक यात्रीभार के बावजूद ठहराव नहीं है। इस ट्रेन के ठहराव से सतनाली क्षेत्र के यात्रियों को सीकर व दिल्ली आने-जाने के लिए सुविधा मिलेगी और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति होगी। उन्होंने ज्ञापन के माध्यम से व्यापक यात्री हित में उपरोक्त मांगों पर संज्ञान लेकर अति शीघ्र पूरा करवाने की मांग की ताकि क्षेत्र के यात्रियों को बेहतर रेल यातायात का लाभ मिले और रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व की प्राप्ति हो सके। ज्ञापन की प्रति सांसद धर्मबीर सिंह, मंडल रेल प्रबंधक, बीकानेर, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, बीकानेर को भी भेजी गई है। इस मौके पर सरपंच प्रतिनिधी धर्मबीर गोठवाल, रवि शेखावत जड़वा, राजेंद्र शर्मा, मनोज मिश्रा, रतनलाल मिश्रा, विनोद गोठवाल, मुन्ना भाई शेखावत, श्याम वालिया सहित अनेक क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

दिल्ली अशोक विहार में अवैध रूप से बांग्लादेशी 18 नागरिकों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। राजधानी में एक बार फिर दिल्ली पुलिस ने अशोक विहार इलाके से 5 ट्रांसजेंडर समेत 18 अवैध रूप से बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से सात स्मार्टफोन बरामद किए, जिनमें भारत में प्रतिबंधित आईएमओ इंस्टॉल था।

पुलिस आयुक्त सिकंदर सिंह ने बताया कि यह लोग भीख मांगने के बहाने खुद को भारतीय महिला या ट्रांसजेंडर बता कर छुपे हुए थे। गिरफ्तार किए गए लोगों के पास से 7 स्मार्टफोन भी बरामद किए गए हैं, जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप इंस्टॉल था, जिसका उपयोग ये बांग्लादेश में अपने परिवारों से संपर्क के लिए कर रहे थे। बता दें कि पुलिस के मुताबिक उत्तर-पश्चिम जिले में अवैध बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस की दो टीमें गठित की गई थीं। इस ऑपरेशन सजग के तहत एसीपी राजीव कुमार के आदेश अनुसार थाना प्रभारीव विपिन कुमार के नेतृत्व मैं एक टीम का गठन किया जिसमें एसआई श्याम बीर एसआई सापन, एएसआई विजय, एएसआई राजेंद्र, हेड कांस्टेबल विक्रम, हेड कॉन्स्टेबल प्रवीण, हेड कांस्टेबल विकास यादव, हेड कांस्टेबल टीकाराम, हेड कांस्टेबल कपिल, महिला हेड कांस्टेबल सीमा, कांस्टेबल हवा सिंह,और दीपक बंगर समेत टीम ने अशोक विहार इलाके की लगभग सौ झुग्गियों और ढ़ेड़ सौ गलियों की जांच की। इस दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ में पता चला कि वह बांग्लादेशी नागरिक है।

उससे मिली जानकारी के आधार पर 13 लोगों को पकड़ा लिया, जिनमें पुरुष, महिलाएं और तीन छोटे बच्चे शामिल हैं। इन सभी के पास वैध यात्रा दस्तावेज, वीजा या परमिट नहीं थे।इसी क्रम में पुलिस ने इलाके में भीख मांगने वाले पांच ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को भी पकड़ा। शुरूआती जांच में सामने आया कि इन लोगों ने खुद को महिला के रूप में प्रस्तुत करने के लिए मेकअप, महिलाओं के कपड़े, कृत्रिम बाल, आवाज बदलने की तकनीक व हार्मोनल उपचार जैसी चीजों का सहारा लिया था। अवैध नागरिकों की पहचान (66 वर्षीय) हाकिम पुत्र हसीन ग्राम- गुआटल्ला, पोस्ट- गुलसिया खालि, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (40 वर्षीय) मलिका ग्राम- गुआटल्ला, पोस्ट- गुलसिया खालि, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (22 वर्षीय) सुहैल पुत्र हाकिम ग्राम- गुआटल्ला, पोस्ट- गुलसिया खालि, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (21 वर्षीय जुबेद पुत्र हाकिम पुरुष ग्राम- गुआटल्ला, पोस्ट- गुलसिया खालि, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (18 वर्षीय)महबूब पुत्र हाकिम ग्राम- गुआटल्ला, पोस्ट- गुलसिया खालि, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका(50 वर्षीय) अकबर पुत्र फजलू रहमान ग्राम- अमतला, पोस्ट- भागेरथ, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका(49 वर्षीय) मंजूरा पत्नी अकबर महिला ग्राम- अमतला, पोस्ट- भागेरथ, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका(25 वर्षीय) मरियम पुत्री अकबर महिला ग्राम- अमतला, पोस्ट- भागेरथ, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (21 वर्षीय) सिपुली पुत्री अकबर महिला ग्राम- अमतला, पोस्ट- भागेरथ, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (20 वर्षीय) आलम पुत्र अकबर पुरुष ग्राम- अमतला, पोस्ट- भागेरथ, थाना- मोरलगंज, जिला- खुलना, राज्य- ढाका (6 वर्षीय) जेना पुत्री सनेजर महिला

वर्तमान पता- दिल्ली, पोस्ट- अशोक विहार, थाना- अशोक विहार,(3 वर्षीय) शहजान पुत्र सनेजर पुरुष

वर्तमान पता- अशोक विहार,(1 साल) शान मोहम्मद पुत्र सनेजर पुरुष

वर्तमान पता- अशोक विहार,(26 वर्षीय) मोहम्मद अंतर पुत्र गियासुद्दीन ट्रांसजेंडर ग्राम- कैमरांगी चार, पोस्ट- लालबाग, थाना- फुलबाड़ी रसूलपुर, जिला- अशरफाबाद, राज्य- ढाका

(22 वर्षीय) मोहम्मद राहुल पुत्र अजहर हुसैन ट्रांसजेंडर ग्राम- निकातुन, पोस्ट- निकातुन, थाना- चौरस्ता, जिला- गाजीपुर, राज्य- ढाका(28 वर्षीय) रिया पुत्र जाकिर हुसैन ट्रांसजेंडर

ग्राम- कमलापुर सिटी, पास रेलवे स्टेशन, पोस्ट- कमलापुर, थाना- कमलापुर, राज्य- ढाका

(29 वर्षीय) अल्वी पुत्र मोहम्मद सय्यद ट्रांसजेंडर ग्राम- सावार, पोस्ट- आसोलिया, थाना- आसोलिया, जिला- ढाका, राज्य- ढाका और (38 वर्षीय) कौसर पुत्र जामाल शेख ट्रांसजेंडर

ग्राम- कुनाबाड़ी, पोस्ट- गोपालपुर, थाना- गोपालपुर, जिला- टांगल, राज्य- ढाका के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में इन्होंने स्वीकार किया कि ये सब पहचान छिपाने और कार्रवाई से बचने के लिए किया गया था। इनसे भी मोबाइल फोन बरामद हुए जिनमें प्रतिबंधित आईएमओ ऐप मौजूद था।

प्रतिष्ठित 29वें भामाशाह सम्मान समारोह में हिंदुस्तान जिंक को 6 पुरस्कार

प्रतिष्ठित 29वें भामाशाह सम्मान समारोह में हिंदुस्तान जिंक को 6 पुरस्कारगुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए सीएसआर योजना के तहत 2017 से अब तक 430 करोड़ रुपये से अधिक का योगदान। प्रति वर्ष 2 लाख से अधिक ग्रामीण और आदिवासी बच्चे होते हैं लाभान्वित

लोक प्रेरणा

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड को 29वें भामाशाह सम्मान समारोह में शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए 6 इकाइयों सहित सम्मानित किया गया। रामपुरा आगुचा माइन, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर, जावर माइन्स, राजपुरा-दरीबा कॉम्प्लेक्स, जिंक स्मेल्टर देबारी को 'शिक्षा विभूषण' और कायड माइन को 'शिक्षा भूषण' पुरस्कार प्रदान किया गया।

यह लगातार दसवां वर्ष है जब राजस्थान सरकार द्वारा हिंदुस्तान जिंक को परिवर्तनकारी शैक्षिक पहलों और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए सम्मानित किया गया है। कंपनी ने 2017 से अब तक शिक्षा संबंधी विभिन्न परियोजनाओं में 430 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है, जिससे प्रतिवर्ष 2 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं।

पुरस्कार वितरण समारोह

यह सम्मान माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में आयोजित समारोह में प्रदान किए गए। पुरस्कार प्रदान करने वाले गणमान्य अतिथियों में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर, प्रमुख सचिव शिक्षा कृष्ण कुणाल, विशिष्ट अतिथि विश्व मोहन, सीताराम जाट और अनुपमा जोरवाल उपस्थित रहे।

पुरस्कार हिंदुस्तान जिंक की विभिन्न इकाइयों के प्रतिनिधियों द्वारा ग्रहण किए गए, जिनमें शामिल थे : रामपुरा आगुचा माइन से आईबीयू सीईओ राममुरारी, चंदेरिया लेड जिंक स्मेल्टर से यूनिट हेड अमित सुराणा, दरीबा स्मेल्टिंग कॉम्प्लेक्स से आईबीयू सीईओ बलवंत सिंह राठौड़, जावर माइंस से आईबीयू सीईओ अंशुल खंडेलवाल, देबारी स्मेल्टर से हेड ऑपरेशंस मुकेश कुमार, कायड माइंस से मान मैनेजर अंकुर माण्डावत, साथ ही सीएसआर टीम ने भी यह सम्मान प्राप्त किया।

शिक्षा क्षेत्र में निवेश और उपलब्धियां

पिछले आठ वर्षों में, हिंदुस्तान जिंक ने शिक्षा के क्षेत्र में सीएसआर गतिविधियों के अंतर्गत सामाजिक विकास हेतु 430 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया। इसमें से लगभग 80 करोड़ रुपये स्कूलों के बुनियादी ढांचे के उन्नयन पर खर्च किए गए हैं, जिनमें कक्षा कक्षों का निर्माण, शौचालय, खेल मैदान, पेयजल सुविधाएं और विद्युतीकरण जैसे कार्य शामिल हैं। शेष 350 करोड़ रुपये दीर्घकालिक शैक्षिक पहलों के लिए निवेशित किए गए हैं।

इन पहलों में प्रमुख हैं : नंद घर (आधुनिक आंगनबाड़ी केंद्र), शिक्षा संबल (ग्रामीण एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों हेतु समावेशी शिक्षा), जीवन तरंग, ऊंची उड़ान (ग्रामीण बालिकाओं के लिए उच्च शिक्षा प्रोत्साहन)

कंपनी-संचालित स्कूलों का सहयोग

हिंदुस्तान जिंक के सीईओ अरुण मिश्रा ने इस अवसर पर कहा झ "हमारा विश्वास है कि शिक्षा, सशक्त समुदायों की नींव है। हर वर्ष भामाशाह पुरस्कार मिलना इस बात का प्रमाण है कि राजस्थान के स्कूलों, शिक्षकों और परिवारों के साथ हमारी साझेदारी मजबूत और प्रभावशाली है। यह सम्मान हमारे समुदायों, कर्मचारियों और राज्य के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है।"

शिक्षा में सकारात्मक परिणाम : हिंदुस्तान जिंक के शिक्षा कार्यक्रमों से हर साल 2 लाख से अधिक बच्चे लाभान्वित होते हैं। इन पहलों का प्रभाव खासकर ग्रामीण और आदिवासी क्षेत्रों में देखा गया है।

राज्य में कक्षा 10वीं का पास प्रतिशत 2007 में 47% था, जो 2025 में बढ़कर 93.6% हो गया।

संपादक की कलम से

नये भारत के लिये बालिकाओं की बंद खिड़कियां खुलें

जहां पांव में पायल, हाथ में कंगन, हो माथे पे बिंदिया, इट हैपन्स ओनली इन इंडिया- जब भी कानों में इस गीत के बोल पड़ते है, गर्व से सीना चौड़ा होता है। जब नवरात्र के दिनों में कन्याओं को पूजित होने के स्वर सुनते हैं तब भी शकुन मिलता है लेकिन जब उन्हीं कानों में यह पड़ता है कि इन पायल, कंगन और बिंदिया पहनने वाली बालिकाओं के साथ कैसे अत्याचार, यौन-शोषण इंडिया क्या करता है, तब सिर शर्म से झुकता है। भारतीय समाज में लड़कियों को अक्सर भेदभाव, यौन-शोषण और अन्याय का सामना करना पड़ता है। उन्हें अक्सर अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने के अवसर से वंचित रखा जाता है और उन्हें बहुत कम उम्र से ही घर के कामों में मदद करनी पड़ती है। इन्हीं विडम्बनाओं एवं विसंगतियों को नियंत्रित करने के लिये भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 में राष्ट्रीय बालिका दिवस मनाने की शुरूआत की। इस दिवस को मनाने का उद्देश्य भारतीय समाज में लड़कियों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में जागरूकता फैलाना है। यह दिन समाज में लड़कियों के खिलाफ लैंगिक असमानता, रूढ़िवादिता, भेदभाव, यौन-शोषण और हिंसा की मौजूदा समस्याओं पर प्रकाश डालता है, बालिकाओं को सशक्त बनाता है और शिक्षा, पोषण और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में लड़कियों को समान अवसर प्रदान करने के महत्व का संदेश देता है। बालिकाओं की बन्द खिड़कियां खुलें, तभी नया भारत-सशक्त भारत बन सकेगा।

सरकार का उद्देश्य बालिका दिवस के माध्यम से बालिकाओं के साथ समान व्यवहार करने और उन्हें वे अवसर प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता को व्यक्त करना है, जिनकी वे हकदार हैं। यह दिवस प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत की तिथि भी है। इसका लक्ष्य बालिका लिंग अनुपात में गिरावट के मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करना भी है। राष्ट्रीय बालिका दिवस 2025 की थीम उज्ज्वल भविष्य के लिए लड़कियों को सशक्त बनाना है। इसके लिये भारत में बालिकाओं के लिए कई सरकारी योजनाएं चल रही हैं। लेकिन कई प्रभावी सरकारी योजनाओं के बावजूद भारत में बालिकाओं की स्थिति चिन्ताजनक है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकडे. चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जतायी जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे? हालत यह है कि आंध्र प्रदेश में 2016 में प्रति एक हजार लड़कों के मुकाबले महज आठ सौ छह लड़कियों का जन्म दर्ज किया गया। यह आंकड़ा सबसे निम्न स्तर पर मौजूद राजस्थान के बराबर है। तमिलनाडु, कर्नाटक जैसे राज्यों में भी तस्वीर बहुत बेहतर नहीं है। बालिकाओं की घटती संख्या एक गंभीर चिन्ता का विषय है।

हालांकि, बहुत से लोगों का मानना है कि 21वीं सदी तक आते-आते बालिकाओं एवं महिलाओं की जिंदगी में बहुत बदलाव आए हैं लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि बालिकाओं एवं महिलाओं के लिए अब हालात पहले से ज्यादा खराब हो चुके हैं। कहने को भले ही लड़कियां हर मामले में लड़कों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हो, हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा, क्षमता एवं कौशल का लोहा मनवा रही है लेकिन उनके सामने हर रोज एक लंबी चुनौती भी खड़ी है।

भारतीय बालिकाओं एवं महिलाओं की समस्याएं केवल सामाजिक अधिकारों तक ही सीमित नहीं हैं बल्कि कार्यस्थलों और घरों में भी वह मानसिक और सामाजिक रूप से प्रभावित होती हैं।

बालिकाओं एवं महिलाओं की सोच में भले ही पिछले कुछ सालों की तुलना में बदलाव आए हों लेकिन मर्दों की सोच और रवैये में कुछ खास

भाजपा की सत्ता का नशा!

सत्ता और दौलत के नशे से कई लोग बौरा जाते हैं, यह सभी को हजम नहीं होता। उनमें से एक हैं भाजपा के बबन लोणीकर। ऐसे अनगिनत बौराए लोगों से भाजपा फूल गई है। भाजपा विधायक बबन लोणीकर ने भाजपा की संस्कृति का स्मरण करते हुए आम जनता और किसानों से जो कहा, वह अमानवीय है। लोणीकर ने गरीब लोगों से कहा, शरीर के कपड़े, तुम्हारे बाप को बुवाई के लिए छह हजार रुपए मोदी ने दिए। तुम्हारी मां की तनख्वाह मैंने शुरू की। लाडली बहन योजना के तहत मां-बहनों के नाम पर पैसे हमारी सरकार ने जमा किए और फिर भी तुम हमारे खिलाफ बोलते हो! मराठवाड़ा के परतुर तालुका के वटुर गांव में हर घर सोलर योजना का उद्घाटन करते हुए लोणीकर ने ग्रामीणों को सत्ता का डोज दिया। अगर आप किसी सरकारी योजना का उद्घाटन करने आए हैं तो आप उन्हें उस योजना के फायदे और अन्य जनहित की बातें बताएं और चलते बनिए। लेकिन भाजपा के लोग इन सभी योजनाओं को अपनी निजी जागीर समझने लगे हैं इसीलिए उनकी जुबां से मोदी ने तुम्हारे बाप को बुवाई के लिए छह हजार रुपए दिए जैसे अहंकारी शब्द निकलने लगे हैं। विधानसभा चुनाव में उन्हें अपनी लाडली बहनों के वोट पसंद आए, लेकिन सत्ता में आने के बाद से इस योजना के १,५०० रुपए गिनाने लगे हैं। अब इन पर नशा इस कदर हावी हो गया है कि ये लोग यहां तक कहने लगे हैं कि लोगों के तन पर कपड़े, पैरों में चप्पल-बूट और हाथों में मोबाइल फोन ये सब हमारी ही कृपा

से है। बबनराव, भले ही आपका उपनाम लोणी है जिसका अर्थ मक्खन होता है, लेकिन सत्ता की आंच के चलते जलकर कसैला हो गया है इसीलिए आप बिना किसी हिचकिचाहट के राज्य की जनता और मतदाताओं का अपमान करनेवाली भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। अब मुख्यमंत्री फडणवीस इस बारे में क्या करने जा रहे हैं? वे हमेशा की तरह मैंने संबंधितों को समझाया है जैसा राग आलापेंगे। इससे पहले भी उन्होंने अपने मंत्रिमंडल के कुछ मंत्रियों और पार्टी के बड़बोले नेताओं के बारे में यही राग आलापा था। फिर भी लोणीकर जैसे उनके विधायक लोगों को सत्ता की मगरूरी दिखा रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी खुद को जनता का प्रधान सेवक कहते हैं। मुख्यमंत्री फडणवीस खुद को मोदी का विनम्र सेवक कहते हैं, लेकिन उनकी पार्टी के लोग खुद को जनता का साहूकार मानने लगे हैं। पिछले ११ वर्षों में ब्रिटिश शासन के स्वदेशी बीज हमारे देश में अधिक से अधिक फलने-फूलने लगे हैं इसीलिए कुछ लोग कर्नल सोफिया कुरैशी के लिए अपशब्दों का प्रयोग करते हैं, कुछ हिंदुओं को कई बच्चे पैदा करने की सलाह देते हैं, कुछ मोदी विरोधियों को पाकिस्तान चले जाने का आदेश देते हैं तो कुछ खुद को हिंदुओं का गब्बर बताकर फिसलते हैं। अब इन बड़बोले लोगों में किसानों को सरकार से मिलनेवाले छह हजार रुपए

गिनानेवाले उसका दिखावा करनेवाले विधायक बबनराव लोणीकर का नाम भी जुड़ा गया है। बबनराव जी, आप और आपके मुख्यमंत्री या आपके प्रधानमंत्री अपनी जेब से अन्नदाता को छह हजार रुपए नहीं देते हैं। यह सहायता सरकारी खजाने से दी जाती है और सरकारी खजाना जनता के पैसों से भरता है। आपकी सरकार वही पैसा दे रही है। उसका रौब क्यों झाड़ रहे हो? सरकार की कृपा से आपको जो सुविधाएं और रियायतें मिल रही हैं, वह भी इन्हीं जनता की देन है। उन लोगों से बात करते समय कम से कम अपने उपनाम में लोणी (मक्खन) शब्द का तो ध्यान रखें। आप कौन हैं, जनता को देनेवाले? लोकतंत्र में जनता ही देती है और उसने आपको वोट दिया इसीलिए आज आप सत्ता में हैं। भाजपा जैसी पार्टियां साहूकारों और धन्नासेठों की हैं। वे आज भी जनता को गुलाम या बंधुआ मजदूर समझते हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पूंछ हिलने वाले ये लोग गरीबों पर गधों की तरह चिल्लाते हैं और फिर ५० साल पहले की इमरजेंसी पर प्रवचन झाड़ते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी देश के ८० करोड़ लोगों को पांच से दस किलो मुफ्त राशन दे रहे हैं, जो गरीबी और विकास शब्द का मजाक है, लेकिन मोदी खुद को अवतारी पुरुष मानते हैं। ऐसे अवतारी पुरुष के भक्त लोणीकर जैसे साहूकार ही होंगे। अवतारी पुरुष २० हजार करोड़ के विमान में मौज-मस्ती करते हुए दुनियाभर में घूमता है और जिस जनता के पैसे से यह विमान आया है, उस जनता को साहूकार लोणीकर अपना गुलाम समझता है।

गहराई से समझना होगा अमेरिका-ईरान-इजरायल विवाद को

1980 के दशक के दौरान ईरान ने अमेरिका को बार-बार झटका दिया जिससे उसे दबाव में बातचीत करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 23 अक्टूबर 1983 को लेबनानी गृहयुद्ध में हस्तक्षेप के लिए पहुंचे अमेरिकी समुद्री जहाज पीसकीपर्स को एक ईरानी आत्मघाती हमलावर इस्माइल अस्करी ने ट्रक बम से उड़ा दिया जिसमें 241 अमेरिकी नौसैनिक मारे गए। इस हमले में 18,000 पाउंड विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था। कई दिनों तक दुनिया यह अनुमान लगाती रही कि क्या अमेरिका इजरायल-ईरान हवाई युद्ध में शामिल होगा या नहीं। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आखिरकार 22 जून को नाटकीय तरीके से ईरान को दी अपनी धमकियों पर अमल किया। ट्रम्प लगातार मैं यह कर सकता हूं, मैं ऐसा नहीं कर सकता जैसी भ्रम फैलाने वाली बातें कर अनिश्चितता का माहौल बना रहे थे लेकिन उस दिन अमेरिकी वायु सेना और नौसेना ने बंकर बस्टर बम तथा टॉमहॉक मिसाइलों का उपयोग कर ईरान के फोर्डो, नतांज व इस्फहान परमाणु सुविधा केंद्रों पर हमला कर दिया। इजरायल-ईरान युद्ध में पहले से ही दोनों देशों में कई मौतें हो चुकी हैं और बुनियादी ढांचे को बहुत नुकसान पहुंच चुका है। इसके तुरंत बाद ट्रम्प ने यह घोषणा करके शांति दूत के वस्त्र धारण कर लिए कि ईरान और इजरायल दोनों 12-दिवसीय संघर्ष के विराम के लिए सहमत होंगे जिसमें अमेरिका को शामिल होने के लिए मजबूर किया गया था। फिलहाल संघर्ष विराम जारी है। हालांकि एक समय था जब अमेरिका मध्य पूर्व में ईरान के हमलों की जांच करने में असहाय था। इसकी शुरूआत 14 फरवरी 1979 को तेहरान दूतावास की घेराबंदी से हुई थी जब उनके 52 कर्मचारियों को एक वर्ष से अधिक समय तक बंधक बनाकर रखा गया था। उस अवधि के दौरान कोई भी बड़ी शक्ति, यहां तक कि इजरायल भी वाशिंगटन डीसी और अयातुल्ला रूहोल्लाह खुमैनी शासन के बीच मध्यस्थता करने में मदद करने को तैयार नहीं था। अवगीर्कृत सोवियत दस्तावेजों से पता चला कि तब अफगानिस्तान के घटनाक्रम से चिंतित सोवियत नेतृत्व को यह भी डर था कि अमेरिका शाह राजशाही के पतन को रोकने के लिए सैन्य हस्तक्षेप करेगा। यद्यपि मास्को को विश्वास था कि खुमैनी शासन अमेरिकी प्रभाव को समाप्त कर देगा। 1979 से तेहरान में तैनात केजीबी अधिकारी लियोनिद शेबर्शिन ने अपने संस्मरणों में कहा था कि उनके प्रमुख यूरी एंड्रोपोव को कोई भरोसा नहीं था कि खुमैनी क्रांति सोवियत योजनाओं के अनुसार आगे बढ़ेगी। शेबर्शिन ने यह भी दावा किया कि उनके पास सबूत हैं कि 24 अप्रैल 1980 को ऑपरेशन ईगल क्लॉ के माध्यम से बंधकों को बचाने के लिए अमेरिका के असफल प्रयास में तेहरान में शासन परिवर्तन के लिए अधिक दूरगामी उद्देश्य थे। क्या ट्रम्प अब ऐसा करने का प्रबंध करेंगे? अरङ्ग फीं - ललित सुरजन की कलम से- कोयला घोटाला : कुछ प्रश्न थॉमस एल. फ्रीडमैन (न्यूयॉर्क

टाइम्स, 22 नवंबर, 1986) के अनुसार, इजरायल 1979 में खुमैनी सरकार से जुड़ने के लिए एक चैनल खोलने के लिए क्रांतिकारी तेहरान में ईरानी सेना के कुछ वरिष्ठ अधिकारियों और क्रांतिकारी तेहरान के अन्य तत्वों के साथ अपनी खुफिया जानकारी के माध्यम से संबंध बनाने में व्यस्त था। यह ईरानी यहूदियों को देश से बाहर निकालने के लिए निहित ईरानी सहयोग हासिल करना था। फ्रीडमैन ने कहा कि - इजरायल के तत्कालीन प्रधानमंत्री मेनाचेम बिगिन ने तेहरान को थोड़ी मात्रा में हथियार व स्पेयर पार्ट्स भेजने शुरू किये। हालांकि उन्होंने कहा कि इजरायल के इस तर्कका अमेरिका समर्थन नहीं करता है कि वाशिंगटन को हथियारों के सारे हस्तांतरण के बारे में सूचित किया गया था और उसने इसका मौन रूप से अनुमोदन किया था। फ्रीडमैन ने महसूस किया कि खुमैनी शासन के एक वर्ग के साथ इजरायल के संबंध ईरान में यहूदियों को चरमपंथियों के गुस्से से बचाने की एक सामरिक चाल थी तथा 1980 के दशक के मध्य में अपने ईरानी सैन्य संपर्कों के विलुप्त हो जाने से पहले कुछ उपयोगी खुफिया जानकारी हासिल कर सकते थे। 29 जनवरी, 2025 को राणा नेजाद ने इसकी पुष्टि की थी जिन्होंने पहले द वाशिंगटन पोस्ट के साथ काम किया था। उन्होंने कहा कि रिकॉर्ड से पता चलता है कि दोनों देशों ने महसूस किया कि गुप्त संबंध बनाए रखना रणनीतिक रूप से फायदेमंद होगा। परिणामस्वरूप शाह मोहम्मद रजा पहलवी के पतन के बाद तेहरान ने सार्वजनिक रूप से इजरायल के अस्तित्व के अधिकार से इनकार कर दिया था, फिर भी ईरान और इजरायल प्रति वर्ष लाखों डॉलर के व्यापार में संलग्न रहे। नेजाद के अनुसार इस गुप्त गठबंधन में कई कारणों का योगदान था। खुमैनी शासन को दुनिया की छठी सबसे बड़ी सेना, विदेशी भंडार में 26 अरब डॉलर, एक दिन में 105 लाख डॉलर का तेल उत्पादन करने वाला तेल उद्योग और इजरायल के साथ घनिष्ठ संबंध विरासत में मिला था। इजिप्त के राष्ट्रपति गमाल नासिर और सोवियत संघ से सुरक्षा खतरों के कारण शाह ने इजरायल के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए थे। यद्यपि खुमैनी ने शाह की सेना को 60 प्रतिशत तक शुद्ध कर दिया लेकिन वे चाहते थे कि इस गुप्त गठबंधन को बनाए रखा जाए क्योंकि उन्हें सितंबर 1980 और अगस्त 1988 में लड़े गए ईरान-इराक युद्ध के दौरान इराक का सामना करने में इजरायल की मदद की जरूरत थी। नेजाद का कहना है कि 1985 तक इजरायल सरकार और निजी हथियार डीलरों द्वारा बुक किए गए चार्टर्ड डेनिश मालवाहक जहाजों ने फारस की खाड़ी के माध्यम से बंदर अब्बास के ईरानी बंदरगाह तक अमेरिकी निर्मित हथियार ले जाने के लिए 600 से अधिक यात्राएं की थीं। जब तक युद्ध जारी रहा, इजरायल ने ईरानी सैन्य विमानों की उड़ानें जारी रखी और इजरायली सैन्य प्रशिक्षक इस्लामी गणराज्य के सेना कमांडरों को प्रशिक्षित करते रहे। इस संबंध में द टाइम्स ऑफ इजरायल (14 जून, 2024) ने राष्ट्रीय ईरानी अमेरिकी परिषद के संस्थापक और पूर्व अध्यक्ष त्रिता पारसी के हवाले से एक नया आयाम जोड़ा कि इजरायल ने 1981 के ऑपरेशन ओपेरा से पहले ईरानियों से मूल्यवान खुफिया जानकारी प्राप्त की जो इराक की परमाणु महत्वाकांक्षाओं की आधारशिला ओसिरक परमाणु रिएक्टर का विनाश का कारण बना था। चालीस साल बाद इजरायल अब ईरान की परमाणु परियोजनाओं को नष्ट करने की कोशिश कर रहा है। 1980 के दशक के दौरान ईरान ने अमेरिका को बार-बार झटका दिया जिससे उसे दबाव में बातचीत करने के लिए मजबूर होना पड़ा। 23 अक्टूबर 1983 को लेबनानी गृहयुद्ध में हस्तक्षेप के लिए पहुंचे अमेरिकी समुद्री जहाज पीसकीपर्स को एक ईरानी आत्मघाती हमलावर इस्माइल अस्करी ने ट्रक बम से उड़ा दिया जिसमें 241 अमेरिकी नौसैनिक मारे गए। इस हमले में 18,000 पाउंड विस्फोटकों का इस्तेमाल किया गया था। एफबीआई ने इस विस्फोट को द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से पृथ्वी पर सबसे बड़ा गैर-परमाणु विस्फोट निरुपित किया था। इसके कुछ मिनट बाद हुए एक और आत्मघाती बम विस्फोट में 58 फ्रांसीसी सैनिक मारे गए। नतीजतन राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन को लेबनान से अमेरिकी नौसैनिकों को वापस लेने के लिए मजबूर होना पड़ा। वर्षों बाद 26 सितंबर 1983 को या उसके आसपास अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) ने एक ऐसा संदेश पकड़ लिया था जिसमें ईरानी खुफिया मुख्यालय द्वारा दमिश्क में तत्कालीन ईरानी राजदूत अली अकबर मोहताशमी को एक मौखिक निर्देश था जिसमें उन्हें आतंकवादी समूह इस्लामिक अमल के नेता हुसैन मुसावी को अमेरिकियों के खिलाफ असाधारण कृत्य करने का निर्देश देने के लिए कहा गया था। यह बात 2003 में अमेरिका में एक अदालत के मुकदमे के दौरान सामने आयी थी। लेबनान गृहयुद्ध के दौरान 1982 में इस्लामिक जिहाद-हिजबुल्लाह ने लगभग 104 विदेशी नागरिकों का अपहरण कर लिया जिनमें ज्यादातर अमेरिकी और पश्चिम यूरोपीय नागरिक थे।

इस बंधक संकट ने अमेरिकी

प्राथमिक छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का महाराष्ट्र सरकार का निर्णय अनुचित

डॉ. अरुण मित्रा

मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा कक्षा 1 से कक्षा 5 तक के छात्रों को सैन्य प्रशिक्षण देने का निर्णय बेतुका, खतरनाक और शिक्षा के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। राज्य के शिक्षा मंत्री दादा भूसे ने कहा कि कक्षा एक से बच्चों को सैन्य प्रशिक्षण देने का विचार युवा शिक्षार्थियों में कम उम्र से ही देशभक्ति, अनुशासन और शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देना है। हालांकि यह बच्चे की देखभाल के किसी भी पहलू पर लागू नहीं होता है। यह बाल विकास के प्रति मानवतावादी दृष्टिकोण के विरुद्ध है। महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस तरह से बच्चों के दिमाग को अनुशासित करना कुछ मनोवैज्ञानिकों द्वारा प्रतिपादित इस अवधारणा पर आधारित है कि बच्चों पर सहज प्रेम बरसाने के बजाय उन्हें नियंत्रित, अलग-थलग और प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। इस कम उम्र में उन्हें सैन्य प्रशिक्षण में धकेलना अनुशासन के नाम पर उनके दिमाग में बैरक जैसे विचार भरना है। नैदानिक मनोवैज्ञानिक डॉ. परम सैनी के अनुसार ये विचार 18वीं और 19वीं सदी के सामाजिक मानदंडों से प्रभावित थे जिन्हें अब काफी पुराना माना जायेगा। आधुनिक पालन-पोषण स्नेह, गर्मजोशी, पोषण, सहानुभूति, सकारात्मक सुदृढ़ीकरण, सुरक्षित लगाव आदि को महत्व देता हैऔर इन्हें अब स्वस्थ भावनात्मक और सामाजिक कौशल विकसित करने के लिए आवश्यक माना जाता है। माता-पिता और परिवार द्वारा इन्हें प्रदान किया जाना चाहिए और स्कूलों में शिक्षकों द्वारा सुदृढ़ किया जाना चाहिए। बच्चों को एक-दूसरे के साथ घुलने-मिलने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। साथियों के साथ खेलना, चर्चा करना, बहस करना हमेशा विकास का एक स्वस्थ संकेत है। यही कारण है कि हम कई बार देखते हैं कि बच्चे एक-दूसरे से झगड़ते हैं

लेकिन जल्द ही दोस्त बन जाते हैं। शिक्षा का उद्देश्य एक ऐसे व्यक्ति का विकास करना है जो तर्कसंगत रूप से सोच सके और घटनाओं का विश्लेषण कर सके। उसे समाज, परिवार और राज्य द्वारा बतायी गयी बातों का पालन करने की आवश्यकता नहीं है। बच्चे का दिमाग खाली होता है और उसे सकारात्मक मूल्यों से भरना होता है। इस छोटी उम्र में सैन्य जैसा अनुशासन लागू करने का विचार ही बच्चों में रचनात्मक विचारों, तर्कसंगत सोच और जिज्ञासा को नष्ट कर देगा। सैन्य कर्मियों द्वारा छोटी उम्र में बच्चों को अनुशासित करने से उनकी रचनात्मकता अवरुद्ध हो जायेगी और वे आज्ञाकारी अधीनस्थ की तरह सोचने लगेंगे। इस उम्र में कोमल मन कई प्रश्नों से भरा होता है जिनका उत्तर उसके व्यक्तित्व के विकास के लिए दिया जाना चाहिए। बच्चे द्वारा उठाये गये किसी भी प्रश्न को अनदेखा करने से विकासशील मन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। चूंकि बच्चे के लिए आस-पास की बहुत सी चीजें या घटनाएं बहुत नयी होती हैं, इसलिए उसे सवाल पूछने और संदेहों को स्पष्ट करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। बच्चे को प्रकृति के प्रति प्रेम विकसित करना, उसका संरक्षण और संवर्धन करना, प्रकृति के उत्पादों के साथ खेलना सिखाना चाहिए। जिज्ञासा को शांत करना और तर्कसंगत विश्लेषणात्मक सोच विकसित करना माता-पिता और शिक्षकों का कर्तव्य है। स्कूली छात्रों के प्रारंभिक वर्षों के लिए दुनिया भर में कई शिक्षा कार्यक्रम पहले से ही तैयार किये गये हैं। कुछ प्रश्न मनोचिकित्सक डॉ. एस के प्रभाकर ने कहा कि अनुशासन को लागू नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि आर्थिक स्थिति, जाति, पंथ, लिंग और शैक्षिक स्थिति के बावजूद दूसरों के प्रति प्रेम और सम्मान के विचारों के माध्यम से उन्हें विकसित किया जाना चाहिए। सेवानिवृत्त सैन्य कर्मियों द्वारा प्रशिक्षण प्रदान करना जो बहादुर सैनिक हैं, लेकिन बच्चों को शिक्षित करने के तरीके के बारे में बहुत कम जानते हैं, बच्चे के व्यवहार के लिए जोखिम भरा होगा। बच्चे कल्पनाओं और एक काल्पनिक दुनिया में रहते हैं। धीरे-धीरे वे वास्तविक दुनिया के मामलों के बारे में सीखते हैं। सैन्य प्रशिक्षण के तहत वे काल्पनिक दुश्मन के विचारों के साथ रहते हैं और कैसे उन्हें पराजित करें या मारें इसकी योजना बनाते हैं। ऐसे बच्चे अपने साथियों के प्रति भी हिंसक चरित्र विकसित कर सकते हैं। कुछ दशक पहले बच्चे जानवरों, पेड़ों, पहाड़ों आदि जैसे प्रकृति पर आधारित खिलौनों से खेलते थे। पुराने खेल बच्चों को बंदूक संस्कृति से दूर रखती थीं। परन्तु आजकल के खिलौने, यहां तक कि होली खेलने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंग भी बंदूक की तरह काम करते हैं। वीडियो गेम जिसमें बच्चे गोली चलाना और मारना सीखते हैं, खतरनाक भूमिका निभा रहे हैं। इससे समाज में हिंसा में वृद्धि हुई है।

अमेरिका में जहां बंदूकें खुलेआम उपलब्ध हैं, वहां स्कू ली बच्चों द्वारा गोली चलाने के कई मामले देखने को मिलते हैं। शिक्षा का उद्देश्य बच्चे को मौलिक विचार, तर्क, विवेक और अवलोकन विकसित करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस तरह बच्चा अपना व्यक्तित्व विकसित करता है। कम उम्र में सैन्य प्रशिक्षण इन सब में बाधा डालेगा। हालांकि यह शासक वर्ग के उद्देश्य को पूरा कर सकता है ताकि बच्चे में घृणा, हिंसा और बदले की भावना से भरा एक विशिष्ट मन विकसित हो सके। हमारे वर्तमान समाज में जहां पहले से ही सांप्रदायिक घृणा, जाति और लिंग पूर्वाग्रह को हाल के वर्षों में बढ़ावा दिया गया है, बच्चे की ऐसी मानसिकता सामाजिक सद्भाव को और खराब करेगी।

भारत की उठापटक.... लेकिन फायदा क्या?

भारतीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह इस समय चीन के किंगदाओ में हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) सम्मेलन में भाग लिया। उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्ष मजबूती से रखा। इस सम्मेलन में पाकिस्तान के रक्षा मंत्री भी मौजूद थे। गोदी मीडिया ने बताया कि हमारे रक्षा मंत्री ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की, बात नहीं की, यहां तक ??कि उनकी तरफ देखा भी नहीं। इससे क्या फर्क पड़ा? राजनाथ सिंह ने मजबूती से अपना पक्ष रखा यानी ठीक-ठाक क्या? राजनाथ सिंह ने मांग की कि आतंकवाद के सूत्रधार और आतंकवादियों का समर्थन करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। राजनाथ सिंह ने पहेलियों में बात की। उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। भारत के आतंकवाद का सूत्रधार पाकिस्तान है और उस आतंकवाद का समर्थन करने वाला चीन है। राजनाथ सिंह को इन दोनों देशों का नाम लेकर मजबूती से बोलना चाहिए था। इस सम्मेलन में आतंकवाद के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया गया। लेकिन राजनाथ ने संयुक्त बयान पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, क्योंकि उसमें पाकिस्तान प्रायोजित सीमापार आतंकवाद के खिलाफ कोई स्पष्ट रुख नहीं था। इसके उलट, चीन की बैठक में पाकिस्तान के बलूचिस्तान में चल रही हिंसा पर चर्चा हुई। लेकिन पहलगाम को लेकर कोई चिंता व्यक्त नहीं की गई। शंघाई सहयोग संगठन का यह काम ठीक नहीं है। इससे सवाल उठता है कि क्या शंघाई सहयोग संगठन पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद सहयोगी संगठन है? जम्मू-कश्मीर में हुआ पहलगाम हमला

दुनिया के लिए दहलाने वाला है। पूरी दुनिया ने इस आतंकवाद की निंदा की, लेकिन इस सम्मेलन में इस पर चुप्पी का मतलब मेजबान देश द्वारा आतंकवाद का समर्थन करने जैसा है। शंघाई सम्मेलन में बलूचिस्तान के आतंकवाद की निंदा की जाती है, लेकिन अगर पहलगाम हमले को महत्व नहीं दिया जाता है, तो भारत को इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि ऐसा क्यों हो रहा है। पिछले ११ वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी विशेष विमान से दुनियाभर की यात्रा करते रहे हैं। वे चीन गए। उन्होंने चीनी राष्ट्रपति को अमदाबाद में झूला पर बैठाया। उन्होंने अपनी वाहवाही के लिए सारे खेल खेले, लेकिन देश की विदेश नीति हर लिहाज से मुंह के बल गिरी है। यह भारतीय प्रधानमंत्री की अंतरराष्ट्रीय हैसियत का नतीजा है। पहलगाम हमले के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने

इस हमले का भी अपने राजनीतिक लाभ के लिए इस्तेमाल किया। पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने २६ महिलाओं का सिंदूर पोंछ दिया। जिसके चलते मोदी ने भावनात्मक माहौल तैयार करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया। हमारी सेना ने पाकिस्तान पर हवाई हमले किए और जब भारतीय सेना पूरी जोश में थी, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के दबाव में प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर रोक दिया और आत्मसमर्पण का सफेद झंडा लहरा दिया। नतीजतन, प्रधानमंत्री या रक्षा मंत्री की आतंकवाद विरोधी बयानबाजी का अंतरराष्ट्रीय मंच पर महत्व नहीं बचा है।

यह भारत की संप्रभुता का समर्पण है।

फिर भी मोदी और उनके लोग ऑपरेशन सिंदूर की राजनीतिक जीत का जश्न मनाते रहे। यह दुनिया में मजाक का विषय बन गया। अब ऐसी सरकार की भूमिकाओं का दुनिया में क्या महत्व रह जाएगा? राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की कि पाकिस्तान उनका लाडला देश है। चीन ने पाकिस्तान को अपनी गोद में ले लिया। जब राष्ट्रपति ट्रंप ने व्हाइट हाउस में पाकिस्तानी सेना प्रमुख को खाना दिया, तब भारत की ओर से विरोध का एक शब्द भी नहीं आया। तो शंघाई सहयोग संगठन में (उठापटक) से क्या हासिल होगा? मूलतः भारत आतंकवाद का सबसे बड़ा पीड़ित है। भारत ७० वर्षों से आतंकवाद के खिलाफ युद्ध लड़ रहा है। जब यह युद्ध निर्णायक मोड़ ले रहा था, तब अमेरिका के दबाव में इस युद्ध को रोकना उचित नहीं था। ईरान-इजरायल युद्ध में ईरान जैसे राष्ट्र ने बीच में दखल देने वाले अमेरिका को तमाचा मारा। ईरान ने अमेरिका के सैन्य ठिकानों पर सीधा हमला किया। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिका का दबाव स्वीकार नहीं किया।

फिर प्रधानमंत्री मोदी को ऐसा क्यों लगा कि राष्ट्रपति ट्रंप को दबाव स्वीकार कर आतंकवाद के खिलाफ युद्ध रोक देना चाहिए? इन सभी पीछे हटने से भारत की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा प्रभावित हुई है। दुनिया लड़ने वालों के आगे झुकती है और समझौता करने वालों की कद्र नहीं करती। मोदी जैसे नेता भारत में तो बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के सामने पीछे हट जाते हैं।

इसका नतीजा शंघाई सहयोग संगठन सम्मेलन में देखने को मिला। राजनाथ सिंह पाकिस्तान और चीन की बात करते रहे, लेकिन इसका फायदा क्या?

बिहार पुलिस के 21,391 चयनित अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति-पत्र

पटना । बिहार पुलिस के 21,391 चयनित अभ्यर्थियों को पटना के बापू सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में नियुक्ति पत्र बांटे गए। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा भी मौजूद रहे।

बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बताया कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की मौजूदगी में 21,391 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, "मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के साथ बिहार पुलिस के 21,391 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति-पत्र का वितरण किया। हमें उम्मीद है कि आप सभी बिहार और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। चयनित सभी अभ्यर्थियों एवं उनके परिजनों को हृदय से बधाई एवं शुभकामनाएं। एक दिन में 21,391 युवाओं के हाथों पक्की नौकरी का पत्र मिलने से इनके परिवारों के जीवन स्तर में बड़ा बदलाव लाएगा। एनडीए सरकार

का प्रयास है कि हर घर और हर हाथ में रोजगार हो। एनडीए सरकार ने ही नौकरियां दी हैं। एनडीए सरकार ही आज भी नौकरियां दे रही। एनडीए सरकार ही कल भी नौकरी देगी। हम जो कहते हैं वो करते हैं।"

वहीं, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि कानून व्यवस्था मजबूत करने के लिए बिहार में लगातार पुलिसकर्मियों एवं पुलिस पदाधिकारियों की नियुक्ति की जा रही है। 24 नवंबर 2005 को नई सरकार बनने के समय बिहार पुलिस में कार्यरत बल की संख्या मात्र 42,481 थी। वर्ष 2006 से कानून व्यवस्था को और बेहतर करने के लिए पुलिस बल की संख्या में लगातार बढ़ोतरी की गई। सरकार ने तय किया है कि पुलिस बल की संख्या को और बढ़ाना है और इसके लिए कुल 2 लाख 29 हजार से भी अधिक पदों का सृजन कर तेजी से पुलिसकर्मियों की बहाली की जा रही है। स्वीकृत बल के अनुरूप सभी पदों को इस साल के अंत तक भर दिया जाएगा। इससे अपराध नियंत्रण में मदद मिलेगी, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र में पुलिस की उपस्थिति बढ़ेगी और आम नागरिकों की बेहतर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी।

सोनम के प्यार का प्रतिशोध : अंतजार्तीय विवाह से नाराज परिजनों ने अधेड़ महिला की पीट-पीटकर ली जान

औरंगाबाद। ज़िले के उपहारा थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है, जहाँ एक अंतजार्तीय विवाह से खफा परिजनों ने 45 वर्षीय महिला की लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। यह घटना सामाजिक कड़वाहट और जातिगत संकीर्णता की वीभत्स परिणति के रूप में देखी जा रही है।

घटना का विवरण : बधार में मौत की घात

घटना शुक्रवार को तब घटी जब खैरा गांव निवासी कांति देवी, जो कि काशी सिंह की पत्नी थीं, गांव के उत्तर दिशा में स्थित बधार में मवेशी चरा रही थीं। इसी दौरान, पूर्व से घात लगाए बैठे मिथलेश पासवान, कमलेश पासवान समेत अन्य परिजनों ने उन पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार, महिला देर तक बधार में घायल पड़ी रही, लेकिन समय पर सहायता नहीं मिल सकी। घंटों बाद 112 आपात सेवा की टीम मौके पर पहुँची और उन्हें गोह पीएचसी में भर्ती कराया, जहाँ उपचार के दौरान कांति देवी की मौत हो गई।

सात साल पुराना अंतजार्तीय विवाह बना हत्या की वजह

मृतका के पुत्र राजेश कुमार ने सात वर्ष पूर्व गाँव की ही लड़की सोनम कुमारी से प्रेम विवाह किया था। यह विवाह अंतजार्तीय था, जिससे सोनम के परिजन लगातार नाराज थे। विवाह के बाद राजेश और सोनम बाहर रह रहे थे और हाल ही में अपने दो बच्चों के साथ गांव लौटे थे।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सोनम के पिता मिथलेश पासवान इस विवाह को अब तक स्वीकार नहीं कर सके थे और गांव लौटने के बाद विवाद और तनाव की स्थिति लगातार बनी हुई थी।

पुलिस कार्रवाई : 12 नामजद, छापेमारी जारी

घटना की पुष्टि करते हुए दाउदनगर एसडीपीओ कुमार ऋषि ने बताया कि, ह्लघायल महिला को 112 की टीम द्वारा गोह पीएचसी लाया गया था, जहाँ इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। मृतका की बहू सोनम कुमारी के फर्द बयान पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।ह्व

प्राथमिकी में मिथलेश पासवान समेत 12 लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

सवालों के घेरे में समाज और सिस्टम

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या आज भी अंतजार्तीय विवाह करने वालों को सामाजिक हिंसा और प्रतिशोध का सामना करना पड़ेगा? क्या न्याय व्यवस्था ऐसे मामलों में पीड़ित पक्ष को समय पर सुरक्षा दे पाने में सक्षम है?

ग्रामीणों में आक्रोश, महिला संगठनों ने की निंदा

घटना के बाद गांव में तनावपूर्ण शांति बनी हुई है। कुछ महिला संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं ने इसे "जातिगत अहंकार का चरम" बताया है और सरकार से तेज और निष्पक्ष न्याय की मांग की है।

प्रेमी संग मिलकर पत्नी ने की पति की हत्या, आत्महत्या का रचाया था नाटक

औरंगाबाद। जिले से रिश्तों को शर्मसार करने वाली एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। यहां एक कलयुगी पत्नी ने अपने प्रेमी और उसके रिश्तेदार के साथ मिलकर अपने पति की हत्या कर दी। मामला मदनपुर थाना क्षेत्र के नीमा आजन पंचायत के आजाद बिगहा गांव का है, जहाँ प्रेम प्रसंग में पति को रोड़ा मानते हुए उसे गला दबाकर मार डाला गया।

घटना का विवरणः साजिश, हत्या और आत्महत्या का भ्रम

मृतक की पहचान 43 वर्षीय सुनेश्वर भुइयां के रूप में हुई है, जो कि आजाद बिगहा निवासी स्व. प्रभु भुइयां का पुत्र था। सूत्रों के अनुसार, मृतक की पत्नी रीता देवी का मुंशी बिगहा निवासी अरविंद भुइयां के साथ दो-तीन वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा था। पति द्वारा विरोध करने पर पहले भी कई बार विवाद और मारपीट की घटनाएं हो चुकी थीं।

विगत रात्रि, रीता देवी ने अपने प्रेमी अरविंद और उसके मामा सुरेश भुइयां को घर बुलाया। रात में खाना खाने के बाद जब सब सो गए, तब तीनों ने मिलकर सुनेश्वर को घर से करीब सौ मीटर दूर एक आम के पेड़ के पास ले जाकर बेरहमी से पीटा और गला दबाकर हत्या कर दी। इसके बाद हत्या को आत्महत्या का रूप देने के लिए शव को घर ले जाकर एक लकड़ी के कंडी में साड़ी से लटका दिया।

सुबह रो-धोकर रची गई कहानी, पर ग्रामीणों को हुआ शक

सुबह होते ही पत्नी रीता देवी ने चीखना-चिल्लाना शुरू कर दिया, जिससे आसपास के ग्रामीण घटनास्थल पर जुट गए। ग्रामीणों को मौके की परिस्थितियाँ संदिग्ध लगीं, जिस पर उन्होंने घटना की सूचना पंचायत प्रतिनिधियों और पैक्स अध्यक्ष राणा सिंह को दी। अध्यक्ष ने मदनपुर थाना को सूचना दी, जिसके बाद एसडीपीओ-2 चंदन कुमार, थानाध्यक्ष राजेश कुमार व पुलिस बल मौके पर पहुँचे।

पत्नी ने कुबूला अपराध, पुलिस हिरासत में

घटना की जांच के दौरान पुलिस को संदेह हुआ और मृतक की पत्नी से जब सख्ती से पूछताछ की गई, तो उसने अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। एसडीपीओ चंदन कुमार ने बताया किः

ह्वरीता देवी ने अपने प्रेमी अरविंद भुइयां और उसके मामा सुरेश के साथ मिलकर अपने पति की हत्या की साजिश रची और घटना को अंजाम दिया। शव को आत्महत्या के रूप में प्रस्तुत करना साजिश का हिस्सा था। पुलिस ने रीता देवी को हिरासत में ले लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस के अनुसार, जल्द ही अरविंद और सुरेश को भी गिरफ्तार कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एफएसएल टीम करेगी मौके की जांच

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल, औरंगाबाद भेज दिया है। साथ ही, फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (ऋरछ) की टीम को मौके पर बुलाया गया है, जो हत्या से संबंधित तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्य एकत्र करेगी।

औरंगाबाद में युवक ने चाचा की पीट-पीटकर हत्या की

पूर्व में कर चुका है पिता और चाची की भी हत्या

औरंगाबाद। ज़िले में रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। फेसर थाना क्षेत्र के दिल मोहम्मद गंज गांव में एक युवक ने अपने 65 वर्षीय चाचा रामनाथ यादव की ईंट और लाठी-डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। आरोपी युवक की पहचान राजू कुमार के रूप में हुई है, जिसे घटना के तुरंत बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

पहले भी पिता और चाची की कर चुका है हत्या

पुलिस और ग्रामीणों के अनुसार, यह कोई पहली घटना नहीं है। आरोपी राजू पूर्व में अपने पिता और चाची की भी बेरहमी से हत्या कर चुका है।

गांव वालों का कहना है कि 12 वर्ष की उम्र में उसकी तबीयत बिगड़ने के बाद से वह मानसिक रूप से अस्थिर हो गया था। वह अक्सर नशीले पदार्थों का सेवन करता था, और परिजनों द्वारा रोकने पर हिंसक हो उठता था।

घटना का विवरण

घटना बुधवार देर शाम की है। परिजनों के अनुसार, नशे की हालत में आरोपी राजू ने अचानक अपने चाचा रामनाथ यादव पर ईंट से हमला कर दिया और फिर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी। आसपास के लोगों ने जब शोर-शराबा सुना तो मौके पर पहुंचे और घायल अवस्था में रामनाथ यादव को सदर अस्पताल, औरंगाबाद लाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

आरोपी ने पुलिस के सामने कबूला अपराध

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुँची और भाग रहे आरोपी को खदेड़कर पकड़ लिया। पूछताछ में राजू ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया, और आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

मानसिक बीमारी या जघन्य अपराध?

सदर एसडीपीओ संजय पांडेय ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त प्रतीत होता है। उन्होंने यह भी बताया कि पहले की दो हत्याओं में भी राजू ने ठीक इसी तरह की बर्बरता दिखाई थी। पुलिस अब आरोपी की मानसिक स्थिति की मेडिकल जांच कराने की तैयारी कर रही है।

जनप्रतिनिधियों ने की कड़ी कार्रवाई की मांग

घटना की जानकारी मिलते ही औरंगाबाद जिला पार्षद अनिल यादव भी सदर अस्पताल पहुँचे। उन्होंने इसे मानवता को शर्मसार करने वाली घटना करार देते हुए कहा, "यह अत्यंत दुखद और भयावह है कि एक युवक अपने ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर चुका है। ऐसे व्यक्ति को समाज में रहने का कोई हक नहीं है। हम सरकार और प्रशासन से कड़ी से कड़ी सजा की मांग करते हैं।"

ग्रामीणों में भय और शोक

गांव के लोगों के बीच दहशत और शोक का माहौल है। ग्रामीणों का कहना है कि राजू का व्यवहार लंबे समय से हिंसक और असामान्य रहा है, लेकिन किसी ने यह कल्पना नहीं की थी कि वह इतनी वीभत्स घटना को अंजाम देगा। लोग यह भी सवाल उठा रहे हैं कि पहले दो हत्याओं के बावजूद आरोपी खुले में कैसे घूम रहा था?

सारण में पूर्व सैनिक की पीट-पीटकर हत्या, आपसी विवाद ने ले ली जान

जानछपरा। जिले के नैनी गांव से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ आपसी विवाद में एक पूर्व सैनिक की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मदन राय (उम्र लगभग 60 वर्ष), पिता स्वर्गीय बालेश्वर राय के रूप में हुई है, जो भारतीय सेना से सेवानिवृत्त हो चुके थे।

यह वारदात शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार किसी पारिवारिक या भूमि संबंधी आपसी विवाद ने विकराल रूप ले लिया और विवाद इस कदर हिंसक हो गया कि स्थानीय लोगों ने पूर्व फौजी मदन राय को बेरहमी से पीटना शुरू कर दिया। घायल अवस्था में वह जमीन पर गिर पड़े और कुछ ही देर में उनकी मौत हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि हमलावर पड़ोसी ही थे, जो पुरानी रंजिश को लेकर लगातार विवाद कर रहे थे।

हत्या के बाद आरोपी फरार, गांव में तनाव

घटना के बाद से ही नामजद आरोपी और उनके परिजन अपने घरों को ताला लगाकर फरार हो गए हैं। गांव में तनाव का माहौल है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं, मृतक के परिजन लगातार सारण के वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) को घटनास्थल पर बुलाने की मांग कर रहे थे और शव को पोस्टमार्टम में भेजने से इनकार कर रहे थे।

पुलिस की कड़ी मशक्कत के बाद माने परिजन

मुफस्सिल थाना प्रभारी मनोज प्रभाकर के नेतृत्व में पुलिस दल घटनास्थल पर पहुंचा और घंटों समझाने-बुझाने का दौर चला। देर रात, पुलिस द्वारा आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिए जाने पर परिजन पोस्टमार्टम के लिए राजी हुए। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पुलिस ने छपरा सदर अस्पताल भेजा।

इस मामले की पुष्टि करते हुए सारण के एसएसपी ने बताया कि, ह्लहत्या बेहद निंदनीय है और किसी भी सूरत में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। मामले की जांच तेजी से जारी है और शीघ्र ही सभी आरोपी कानून के शिकंजे में होंगे।

'देश के लिए जान दी, गांव में मार दिए गए' झ बेटे का दर्द छलका

मृतक मदन राय के छोटे बेटे ने रोते हुए कहा, ह्लपिता ने ज़िंदगी के 30 साल देश की सेवा में गुजार दिए, बॉर्डर पर गोलियाँ खाईं, लेकिन अपने ही गांव में अपनों की मार से जान गई। ये कैसा इंसाफ है?ह्व यह कहते हुए उनका गला भर आया और वे पिता के खून से सनी मिट्टी को देखकर फूट-फूटकर रो पड़े।

पूर्व सैनिक की हत्या से पूरे ज़िले में शोक

पूर्व सैनिक की इस नृशंस हत्या ने केवल नैनी गांव ही नहीं, पूरे सारण जिले को झकझोर दिया है। ग्रामीणों और पूर्व फौजियों की संस्थाओं में आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि एक सैनिक अपने ही गांव में सुरक्षित नहीं है, तो आम आदमी की सुरक्षा का क्या भरोसा?

प्रशासन पर सवाल झ क्यों नहीं थमता ग्रामीण हिंसा का सिलसिला?

यह घटना एक बार फिर ग्रामीण इलाकों में बढ़ती आपसी हिंसा, पारिवारिक रंजिश और पुलिस की सुस्ती पर सवाल खड़े करती है। मृतक पूर्व सैनिक थे झ ऐसे में प्रशासन की जिम्मेदारी और अधिक बनती है कि वह इस मामले को प्राथमिकता से ले और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करे।

'कांग्रेस वह पाठशाला है, जहां देश और प्रदेश को बदनाम करना सिखाया जाता है'

गुना । केंद्रीय दूरसंचार मंत्रीज्योतिरादित्य सिंधिया ने कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किए जाने को लेकर कहा है कि कांग्रेस वह पाठशाला है, जहां देश और प्रदेश को बदनाम करना सिखाया जाता है।

उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि जिस पार्टी का सिर्फ एक सिद्धांत हो- झूठ बोलना, देश के विरुद्ध हमेशा टिप्पणी करना, देश के भीतर और बाहर, उससे यही उम्मीद की जाएगी।

मध्यप्रदेश के युवा वैज्ञानिक प्रखर विश्वकर्मा ने बनाई अनोखी रियूजेबल मिसाइल

भोपाल। मध्य प्रदेश के छोटे से कस्बे पलेरा से निकल कर देश के लिए बड़े सपने संजोने वाले युवा वैज्ञानिक प्रखर विश्वकर्मा ने एक ऐसी मिसाइल टेक्नोलॉजी विकसित की है, जो भारत के रक्षा क्षेत्र में नया अध्याय लिख सकती है। ह्लरिलॉन्च ऑटोमैटिक मिसाइलह्व यानी प्रोजेक्ट फअट एक रियूजेबल मिसाइल प्रणाली है, जो लक्ष्य पर हमला करने के बाद अपने लॉन्चपैड पर खुद-ब-खुद वापस लौटने में सक्षम है।

यह डबल इंजन और डबल स्टेज तकनीक से युक्त अत्याधुनिक मिसाइल है, जिसे जेट और मिसाइल के संयोजन से डिजाइन किया गया है। इसकी खास बात यह है कि यह ऑटोपायलट कंट्रोल सिस्टम पर आधारित है, जो युद्ध के समय मानव हस्तक्षेप के बिना ही उच्च स्तरीय ऑपरेशन करने की क्षमता रखती है। प्रखर का कहना है कि उनकी यह मिसाइल तकनीक कम लागत में बार-बार प्रयोग की जा सकती है, जिससे भारत को रणनीतिक बढ़त मिलेगी और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में बड़ा कदम होगा। प्रखर अपने इस प्रोजेक्ट को बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (IIT-BHU) के इनोवेशन हब के साथ मिलकर रिसर्च और डेवलपमेंट के स्तर पर आगे बढ़ाना चाहते हैं। वह मानते हैं कि IIT-BHU के पास DRDO और करफड के साथ काम करने का अनुभव है, जिससे उनके प्रोजेक्ट को वैज्ञानिक मजबूती मिल सकती है। प्रखर विश्वकर्मा के वैज्ञानिक सफर की शुरूआत किशोरावस्था में ही हो गई थी। उन्हें 2020 में नासा का ह्लसाईंटिस्ट फॉर ए डेह्व अवॉर्ड मिला, करफड द्वारा आयोजित आदित्य-एल1 क्विज के लिए सर्टिफिकेट मिला और 2023 में चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग में हिस्सा लेने का गौरव प्राप्त हुआ। उन्हें जर्मनी से अंतरराष्ट्रीय स्पेस एक्सपो में भाग लेने का आमंत्रण भी मिल चुका है। उन्होंने नेहरू विज्ञान केंद्र मुंबई, बिरला म्यूजियम कोलकाता और विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र में अपने इनोवेशन प्रस्तुत किए हैं। प्रखर का सपना है कि भारत सरकार, ऊफऊड और करफड जैसे संस्थान उनके प्रोजेक्ट को समर्थन दें ताकि यह तकनीक प्रयोगात्मक स्तर से आगे बढ़कर भारत की सुरक्षा प्रणाली का मजबूत आधार बन सके। एक छोटे से गांव से निकलकर मिसाइल तकनीक में क्रांति लाने की दिशा में कदम बढ़ाने वाले प्रखर विश्वकर्मा आज युवाओं के लिए प्रेरणा हैं और आने वाले समय में भारत के रक्षा और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उनका योगदान मील का पत्थर साबित हो सकता है।

छत्तीसगढ़ में सरकार की योजनाओं का असर

बीजापुर में 13 हार्डकोर नक्सलियों का आत्मसमर्पण

रायपुर । बीजापुर में 13 हार्डकोर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने इसका श्रेय उन योजनाओं को दिया जिनकी मदद से प्रदेश में बदलाव की बयार बहने लगी।

शर्मा ने कहा, "यह आत्मसमर्पण प्रदेश सरकार की 'आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति-2025' और 'नियद नेल्ला नार योजना' की सफलता का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जिससे नक्सल प्रभावित इलाकों में विश्वास और बदलाव की नई बयार बह रही है। प्रदेश में कानून-व्यवस्था है और कानून का राज है। पूर्व की सरकारों में पुलिस के मनोबल को तोड़ने का काम किया गया था। अब हमारी सरकार उस बिगड़ी व्यवस्था में सुधार ला रही है।"

वहीं, मल्लिकार्जुन खड़गे के छत्तीसगढ़ आगमन को लेकर भी डिप्टी सीएम से सवाल किया गया। दरअसल, प्रदेश कांग्रेस कमिटी खड़गे के दौरे को 'संजीवनी' की तरह प्रोजेक्ट कर रही है। जब इस पर डिप्टी सीएम से सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, "खड़गे सनातन परंपरा का अपमान करते हैं और इसीलिए मैं उनकी आलोचना भी करता हूं। उनके आने से कोई लाभ नहीं होने वाला है। छत्तीसगढ़ की जनता उनका स्वागत नहीं करने वाली है। जहां तक बात है कांग्रेस में संजीवनी की तो कांग्रेस के नेता बेहतर जानते हैं कि उन्हें संजीवनी मिलेगी या नहीं। अब उनके आने से भविष्य क्या होगा, इसके बारे में मैं क्या कह सकता हूं।"

छत्तीसगढ़ में पहली बार भाजपा बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण शिविर का आयोजन करने वाली है। तीन दिवसीय कार्यक्रम 7 से 9 जुलाई तक चलेगा। कांग्रेस इसे टूरिज्म कह रही है। इस पर विजय शर्मा ने कहा, "कांग्रेस को लगता है कि उन्होंने सब कुछ पढ़ लिया है। प्रशिक्षण शिविर समय-समय पर संगठन की मजबूती के लिए लगाए जाते हैं। अगर वो इसे टूरिज्म कह रहे हैं, तो वो उनकी सोच है। लेकिन, कांग्रेस को पिछली सरकारों में हुए कोयला घोटाले को लेकर चिंता करने की जरूरत है। शराब घोटाले सहित कई घोटालों के बारे में चिंता करनी चाहिए।"

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी प्रकरण दर्ज होने से मुश्किल में

भोपाल/अशोकनगर । कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी के खिलाफ अशोकनगर में प्रकरण दर्ज किया गया है। उन पर आरोप है कि एक व्यक्ति को बरगलाकर उससे गलत बयानी कराई।

बीते दिनों सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष पटवारी एक व्यक्ति की मौजूदगी में प्रशासनिक अधिकारी से दूरभाष पर बात कर रहे थे। संबंधित को मानव मल खिलाने और पुलिस द्वारा कार्रवाई न किए जाने का आरोप भी लगा रहे थे। अब उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ है।

अशोक नगर के पुलिस अधीक्षक विनीत जैन ने बताया है कि मुंगावली थाना क्षेत्र के गजराज सिंह लोधी ने 26 जून को कलेक्टर अशोक नगर के समक्ष एक शपथ पत्र देकर बताया कि 25 जून को कांग्रेस के कुछ नेता उन्हें पटवारी से मिलवाने ओरछा ले गए थे।

पोखर में डूबने से उमाकांत साह की मौत, बरूराज में मातम का माहौल

मुजफ़्फरपुर। बरूराज थाना क्षेत्र के थाना चौक के समीप शुक्रवार को हुई एक हृदयविदारक घटना में 55 वर्षीय बुजुर्ग उमाकांत साह की पोखर में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान नगर पंचायत बरूराज के वार्ड संख्या 13 निवासी उमाकांत साह के रूप में हुई है, जो वर्षों से थाना चौक के पास फास्ट फूड की छोटी सी दुकान चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, उमाकांत साह शुक्रवार की दोपहर रोजाना की तरह स्नान करने के लिए पास के पोखर में उतरे थे। लेकिन नहाते-नहाते वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। पास में मौजूद लोगों ने जब उन्हें हाथ-पाँव मारते देखा तो शोर मचाया, लेकिन जब तक ग्रामीण दौड़ते हुए मौके पर पहुंचते, तब तक उमाकांत पोखर की गहराई में समा चुके थे।

स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। बरूराज थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार मिश्रा दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद शव को पानी से बाहर निकलवाया गया। तत्पश्चात शव को पुलिस ने अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए श्रीकृष्ण मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल (रडटउल्ल), मुजफ्फरपुर भेज दिया।

घटना की खबर मिलते ही उमाकांत साह के घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। रिश्तेदारों और

स्थानीय लोगों की भीड़ मृतक के घर पर जमा हो गई है। उनके पड़ोसियों के अनुसार उमाकांत एक मेहनती और शांत स्वभाव के इंसान थे। उनका इस तरह अचानक चले जाना पूरे मोहल्ले के लिए गम का सबब बन गया है।

बरूराज थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार मिश्रा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि, ह्लमृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनों द्वारा लिखित आवेदन प्राप्त होते ही आगे की विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।ह्व

स्थानीय स्तर पर सवालः सार्वजनिक जलाशयों की सुरक्षा कहाँ?

इस दुखद हादसे ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि क्या सार्वजनिक जलाशयों के आसपास कोई सुरक्षा इंतजाम नहीं होना चाहिए? ना कोई चेतावनी बोर्ड, ना कोई रस्सी-बाँस की घेराबंदी, और ना ही कोई बचाव दल की व्यवस्था। ग्रामीणों का कहना है कि यह पोखर काफी गहरा है और पहले भी इस स्थान पर दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से आज तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर भी उठे सवाल

घटना के कई घंटे बीत जाने के बाद भी स्थानीय जनप्रतिनिधियों का मौके पर नहीं पहुंचना भी चर्चा का विषय बना हुआ है। लोग सवाल कर रहे हैं कि जब कोई विकास योजना की शुरूआत होती है, तब नेताओं की तस्वीरें अखबारों में छपती हैं, लेकिन जब आम जनता की मौत होती है, तब वे नदारद क्यों रहते हैं?

न्यूज फ्लैश

कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम, 11 जुलाई से 9 अगस्त तक विशेष ड्यूटी प्लान

नोएडा । कावड़ यात्रा को लेकर नोएडा पुलिस प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा और ट्रैफिक प्रबंधों की रूपरेखा तैयार की है। इस रूपरेखा के चलते 11 जुलाई से लेकर 9 अगस्त तक विशेष ड्यूटी प्लान जारी किया गया है, पूरे जिले को 13 सेक्टर में विभाजित किया गया है। जहां पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी, जिसके दौरान खासतौर पर 23 जुलाई को शिवरात्रि पर्व के दिन भारी भीड़ उमड़ने की संभावना है। इसी को ध्यान में रखते हुए जिले को 13 सेक्टरों में विभाजित किया गया है ताकि सुरक्षा व्यवस्था सुचारू रूप से लागू की जा सके।

डीसीपी यमुना प्रसाद ने जानकारी दी कि नोएडा क्षेत्र के लगभग 70 प्रमुख शिव मंदिरों को चिह्नित किया गया है, जहां कांवड़ यात्री जलाभिषेक करेंगे। इन सभी स्थानों पर पुलिस बलों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा, 10 क्विक रिस्पॉन्स टीम गठित की गई हैं, जो पूरे क्षेत्र में लगातार गश्त करेंगी। इसके अलावा, पूरे जिले के अलग-अलग जोन में पुलिस अधिकारी हर धर्म के धर्मगुरुओं के साथ एक विशेष बैठक भी कर रहे हैं ताकि यह त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सके।

डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया है कि पूरे कांवड़ मार्ग और एक्सप्रेसवे पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं, जिनके जरिए हर गतिविधि पर नजर रखी जाएगी। विशेष निगरानी के लिए कंट्रोल रूम भी सक्रिय रहेगा। कांवड़ मार्ग के आसपास शराब और मांस की दुकानों को बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इन दुकानदारों को प्रशासन द्वारा पूर्व में सूचित कर दिया गया है और बैठक में स्पष्ट कर दिया गया है कि यात्रा के दौरान कोई उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने यह भी बताया कि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए पीएसी, पैरामिलिट्री फोर्स और स्थानीय पुलिस बल को लगाया जा रहा है। 14 झंडों (कांवड़ दलों) से बातचीत कर उनके मार्ग व आवश्यकता की जानकारी ले ली गई है, जिससे यात्रा के दौरान उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

सुपरटेक केपटाउन सोसायटी के खिलाफ नोएडा प्राधिकरण ने एफआईआर दर्ज करवाने के लिए दी शिकायत

नोएडा । नोएडा प्राधिकरण इन दिनों लगातार एनजीटी के नियमों का उल्लंघन करने वाली सोसायटी का निरीक्षण कर रहा है और उनके खिलाफ जुमार्ना लगाने के साथ-साथ संबंधित थाने में शिकायत भी दर्ज कराई जा रही है। इसी कड़ी में नोएडा प्राधिकरण की पर्यावरण सेल ने सेक्टर-74 स्थित सुपरटेक केपटाउन सोसायटी का निरीक्षण किया था, जिसमें पर्यावरणीय नियमों का गंभीर उल्लंघन पाया गया था।

प्राधिकरण द्वारा 27 जून को किए गए स्थलीय निरीक्षण में यह पाया गया कि सोसायटी में स्थापित सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) निर्धारित मानकों के अनुसार संचालित नहीं किया जा रहा है। इसके कारण अनट्रीटेड सीवेज को सीधे खुले नालों में डाला जा रहा है, जिससे न केवल भूमिगत जल स्रोत दूषित हो रहे हैं बल्कि जन स्वास्थ्य को भी गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

नोएडा प्राधिकरण के प्रबंधक ने थाना सेक्टर-113 में इस संबंध में एक शिकायत दर्ज कराई गई है, जिसमें सोसायटी के पदाधिकारियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 272 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज करने की मांग की गई है। यह धारा उन पर लगाई जाती है जो किसी गंभीर बीमारी के संक्रमण को फैलाने की संभावना रखते हैं। इसके लिए दो वर्ष तक की सजा, जुमार्ना या दोनों हो सकते हैं।

नोएडा प्राधिकरण की शिकायत में यह भी बताया गया है कि सुपरटेक केपटाउन सोसायटी द्वारा सार्वजनिक धन से बने बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी खतरे बढ़ रहे हैं बल्कि सरकारी राजस्व को भी नुकसान हो रहा है।

प्राधिकरण पहले ही पर्यावरण का उल्लंघन करने के चलते 35,80,000 का जुमार्ना लगा चुका है। साथ ही, उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को समय-समय पर इस संबंध में सूचित भी किया गया है। इसके बावजूद सोसायटी प्रशासन द्वारा लापरवाही बरती जा रही है। प्राधिकरण ने मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित सोसायटी पदाधिकारियों के खिलाफ तत्काल सुसंगत धाराओं में कार्रवाई की जाए और एफआईआर दर्ज कर पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

विश्व एमएसएमई दिवस 2025 में जुटे 300 से ज्यादा उद्यमी

लोक प्रेरणा

नोएडा। शनिवार को सेक्टर 16ए फिल्म सिटी स्थित वासमे और भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में प्रगति मैदान स्थित भारत मंडपम में विश्व एमएसएमई दिवस 2025 का आयोजन हुआ। इसमें 300 से अधिक वैश्विक नवप्रवर्तक, राजनयिक और एमएसएमई नेता शामिल हुए।

इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य एमएसएमई को सशक्त बनाना। साथ ही उसे नवाचार, स्थिरता और डिजिटल भविष्य की ओर उन्मुख करना है।इस वर्ष के आयोजन की थीम टिकाऊ और डिजिटल भविष्य के लिए एमएसएमई को सशक्त बनाना व नवाचार, लचीलापन और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता पर आधारित थी।

इसमें 12 देशों के राजदूत, 24 वरिष्ठ राजनयिक, स्टार्टअप संस्थापक, हरित अर्थव्यवस्था के नेता और कई एमएसएमई पुरस्कार विजेताओं ने हिस्सा लिया। वासमे के कार्यकारी सचिव डॉ. संजीव लायक ने कहा हम केवल एक दिवस नहीं मना रहे, बल्कि एक वैश्विक आंदोलन शुरू कर रहे हैं। एमएसएमई न केवल आर्थिक विकास की रीढ़ हैं, बल्कि वे जलवायु नवाचार, डिजिटल परिवर्तन और शांति के निमार्ता भी हैं।

कार्यक्रम में रवांडा, सूडान, दक्षिण अफ्रीका, यूके, ऑस्ट्रिया और लेसोथो सहित कई देशों के राजनयिकों ने इस आयोजन में भाग लिया और एमएसएमई के वैश्विक सहयोग को बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। मुख्य अतिथि मनोज तिवारी रहे। उन्होंने 30 से अधिक जमीनी स्तर के नवप्रवर्तकों को वासमे एक्सीलेंस अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया। उन्होंने जोशीले अंदाज में कहा, एमएसएमई से ही आत्मनिर्भर भारत संभव है।

युवा सोच आर्मी द्वारा भारत क्रिएटर्स कॉन्क्लेव का आयोजन

कंटेंट क्रिएटर्स के लिए एक अनोखा मंच

लोक प्रेरणा

नोएडा। युवा सोच आर्मी एक विशेष पहल के तहत "भारत क्रिएटर्स कॉन्क्लेव" का आयोजन कर रही है, जिसका उद्देश्य देशभर के रचनात्मक और डिजिटल कंटेंट क्रिएटर्स को एक साझा मंच पर लाना है। यह कार्यक्रम 26 जुलाई 2025, रविवार को शाम 06 बजे से हॉलिडे ग्रैंड होटल ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा।

इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य यूट्यूबर्स, इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर्स, लेखकों, फिल्मकारों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और अन्य रचनात्मक पेशेवरों को एक साथ लाकर उनके अनुभवों, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना है।

इस कॉन्क्लेव का मुख्य उद्देश्य यूट्यूबर्स, इंस्टाग्राम कंटेंट क्रिएटर्स, लेखकों, फिल्मकारों, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और अन्य रचनात्मक पेशेवरों को एक साथ लाकर उनके अनुभवों, विचारों और दृष्टिकोणों का आदान-प्रदान करना है।

इस आयोजन में कई प्रसिद्ध कंटेंट क्रिएटर्स, डिजिटल मीडिया विशेषज्ञ और प्रेरणादायक वक्ता अपनी उपस्थिति दर्ज कराएँगे। यह कार्यक्रम न केवल नेटवर्किंग का सुनहरा अवसर होगा, बल्कि नए और उभरते क्रिएटर्स के लिए सीखने, सहयोग करने और प्रेरणा प्राप्त करने का भी उत्तम मंच सिद्ध होगा।

युवा सोच आर्मी के संस्थापक रोहित कुमार जोगी ने बताया:

"हम भारत के क्रिएटर्स के लिए एक समर्पित और सशक्त समुदाय का निर्माण कर रहे हैं, जो विकसित भारत की डिजिटल यात्रा में सक्रिय भागीदारी निभा सके। हमारा विश्वास है कि आज के क्रिएटर्स वह सेतु हैं, जो समाज की अनदेखी सोच को भी जनमानस तक पहुँचा सकते हैं। हर व्यक्ति के भीतर छुपी स्किल्स को दुनिया के सामने लाने का यह हमारा प्रयास है।

युवा सोच आर्मी के सभी सदस्य इस मिशन के तहत 'लीडरशिप को जगाने' का संकल्प ले चुके हैं।

युवा सोच आर्मी सह- संस्थापक (को-फाउन्डर) आशीष कुमार अग्रवाल का यह कहना है कि यह आयोजन निश्चित रूप से उन सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा जो डिजिटल क्षेत्र में कुछ नया और सार्थक करने की आकांक्षा रखते हैं।

इस कार्यक्रम का मुख्य सहयोगी जीएनआईओटी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज (जीआईएमएस) पोस्टर लॉन्चिंग मे चित्रेश सोनी, मोटिवेशनल स्पीकर अमर चौधरी, पूजा मल्होत्रा ??पॉडकास्ट, आदर्श पांडे नेमोलॉजिस्ट, अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु मनमोहन योगी,डॉ. अंशुमान कुमार - ऑन्कोलॉजिस्ट, दुर्वेश यादव, शिवानी अग्रवाल पॉडकास्टर, ज्योतिषी कार्तिक रावल, कंटेंट क्रिएटर अनुप गुप्ता, लाखों सब्सक्राइबर यूट्यूबर्स अपस्थति में शामिल हुए।

दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर जनपद में 'व्यापारी कल्याण दिवस' का हुआ आयोजन

संस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा दानवीर भामाशाह पर आधारित वीरगाथा की दी गई प्रस्तुति

लोक प्रेरणा

नोएडा। दानवीर भामाशाह के जन्म दिवस की पूर्व संध्या पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में लखनऊ में व्यापारी कल्याण दिवस का आयोजन करते हुए व्यापारियों एवं उद्यमियों को सम्मानित किया गया।

इसी श्रृंखला में संस्कृति एवं राज्य कर विभाग तथा जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वाधान में राज्य कर कार्यालय भवन सेक्टर-148 नोएडा के मीटिंग हॉल में दानवीर भामाशाह के जन्मदिवस के अवसर पर "व्यापारी कल्याण दिवस" का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में लखनऊ में आयोजित हो रहे कार्यक्रम का माननीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं व्यापारियों व उद्यमियों द्वारा सजीव प्रसारण देखा गया।

व्यापारिक कल्याण दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय सांसद डॉक्टर महेश शर्मा, मा0 विधायक जेवर प्रतिनिधि राकेश राघव, जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा एवं अपर आयुक्त, राज्य कर विभाग गौतम बुद्ध नगर संदीप भाटिया द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। संस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा दानवीर भामाशाह जी पर आधारित वीरगाथाओं की प्रस्तुति से कार्यक्रम में उपस्थित सभी का मन मोह लिया। साथ ही अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भव्य प्रस्तुतीकरण किया गया।

कार्यक्रम में व्यापारी एवं उद्योग जगत के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सांसद द्वारा मैसर्स गेल इंडिया लिमिटेड, सैमसंग डिस्प्ले नोएडा प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड, स्मरटू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मेसर्स वीवो मोबाइल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, मैसर्स कॉन्सेप्ट ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड तथा संवर्धना मदर्सन इंटरनेशनल लिमिटेड को उत्कृष्ट करदाताओं के रूप में चयनित करते हुए भामाशाह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आईआईए नोएडा के अध्यक्ष नवीन गुप्ता, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन, इंडस्ट्रियल एंटरप्रेन्योरशिप संगठन के वाइस प्रेसिडेंट पीएस मुखर्जी, इंडस्ट्रियल बिजनेस संगठन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, लघु उद्योग भारती के अध्यक्ष एलबी सिंह, ग्रेटर नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष रणवीर सिंह तथा इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष राकेश बंसल को राज्य कर विभाग द्वारा शील्ड देकर सम्मानित किया गया। अपने उद्बोधन में सभी व्यापारी प्रतिनिधियों ने यह स्वीकार किया कि शासन की मंशा के अनुरूप गौतमबुद्ध नगर राज्य कर विभाग द्वारा व्यापारियों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान किया जा रहा है। उनके द्वारा यह भी आश्वासन दिया गया कि गौतमबुद्ध नगर के समस्त व्यापारियों एवं उद्योग बंधु प्रदेश के राजस्व में वृद्धि करने के लिए अपना शत प्रतिशत योगदान करते रहेंगे।

इस अवसर पर मा0 सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का भामाशाह पुरस्कार वितरण कार्यक्रम संचालित करने हेतु उनका धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी व्यापारी एवं उद्यमी संगठन के प्रतिनिधियों को दानवीर भामाशाह जी के जन्म दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित की और उनके जीवन परिचय पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सबको दानवीर भामाशाह जी से प्रेरित होकर उन्हीं की तरह अपने देश एवं प्रदेश की अर्थव्यवस्था में सहयोगी बनना चाहिए। उत्तर प्रदेश एवं गौतम बुद्ध नगर के आर्थिक विकास में उद्यमी और व्यापारियों का बहुत ही अहम योगदान रहा है।

जिलाधिकारी ने अपने उद्बोधन में दानवीर भामाशाह के जीवन परिचय पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि जनपद गौतम बुद्ध नगर उत्तर प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहा जाने वाला जनपद है। गौतम बुद्ध नगर के आर्थिक विकास में यहां के उद्यमियों एवं व्यापारियों का बहुत ही महत्वपूर्ण योगदान है। इसलिए जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के अधिकारियों का दायित्व बनता है कि यहां के उद्यमियों और व्यापारियों की जो भी समस्याएं हों उनका निस्तारण तीव्र गति के साथ किया जाए, ताकि गौतम बुद्ध नगर के आर्थिक विकास को और गति प्रदान की जा सके। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा व्यापारियों एवं उद्यमियों के हितार्थ विभिन्न योजनाएं एवं कार्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं, जिनके माध्यम से उद्यमियों और व्यापारियों को काफी सहायता प्राप्त हो रही है। पहले उद्यमियों को अपने उद्यम की स्थापना के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, परंतु अब मा0 मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में सिंगल विंडो सिस्टम का संचालन किया जा रहा है, जिसके माध्यम से उद्यम की स्थापना के लिए एक जगह से ही सभी प्रकार की एनओसी प्राप्त करते हुए आसानी के साथ अपने उद्यम की स्थापना की जा सकती है।

अपने संबोधन के अंत में जिलाधिकारी ने सभी उद्यमियों और व्यापारियों को शासन एवं जिला प्रशासन की ओर से आश्वस्त करते हुए कहा कि जो भी सहायता और जो भी सुविधा आपको उपलब्ध करानी होगी, उसके लिए हम लोग तत्पर रहेंगे और पूरा सहयोग आपको प्रदान करेंगे।

अपर आयुक्त राज्य कर विभाग ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए जनपद के व्यापारियों एवं उद्योगों का राजस्व में योगदान देने के लिए आभार प्रकट किया और कहा कि आप लोगों द्वारा भुगतान किए गए कर का उत्तर प्रदेश के विकास में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कुल जीएसटी संग्रह में सबसे अधिक जीएसटी का संग्रह गौतम बुद्ध नगर से होता है, जो कि प्रदेश में सबसे अधिक है। यदि जनपद गौतम बुद्ध नगर के व्यापारियों एवं उद्यमियों के सम्मुख कोई भी समस्या आती है तो तत्काल हमें अवगत करायें। राज्य कर विभाग द्वारा आपकी समस्याओं का निस्तारण के लिए पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने इस अवसर पर उपस्थित उद्योग एवं व्यापारियों को राज्य कर विभाग के कार्य प्रणाली एवं उनके हितार्थ संचालित कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से जानकारी उपलब्ध करायी।

इस अवसर पर राज्य कर विभाग के अपर आयुक्त ग्रेड-2 एस आइ बी विवेक आर्या, संयुक्त आयुक्त योगेश विजय, दिनेश पाल, आलोक कुमार, संजय कुशवाहा, सुजीत कुमार जायसवाल, अनिल कुमार व राज्य कर विभाग के अन्य अधिकारी गण, उपायुक्त उद्योग अनिल कुमार तथा उद्यमी एवं व्यापारी संगठन के पदाधिकारीगण व प्रतिनिधि गण उपस्थित रहे।

कलश यात्रा के दौरान बिजली का पोल और ट्रांसफार्मर श्रद्धालुओं के ऊपर गिरा, कई महिला श्रद्धालुओं को चोट

ग्रेटर नोएडा। दनकौर में शनिवार देर शाम बड़ा हादसा हुआ है। रिलखा गांव में शनिवार को कलश यात्रा निकल रही थी, तभी बिजली का पोल और ट्रांसफार्मर श्रद्धालुओं के ऊपर गिर गया। इस हादसे में कई महिला श्रद्धालुओं को चोट आई है। जिनका इलाज अस्पताल में कराया जा रहा है। घटना के बाद से गांव के लोगों में बिजली निगम के खिलाफ आक्रोश है।

लोगों का कहना है कि बिजली विभाग की लापरवाही से आए दिन हादसे हो रहे हैं। पुलिस ने भी मामले का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी है।

शनिवार को गांव के मंदिर में कई मूर्तियों की स्थापना होनी थी। इसके लिए 100 से अधिक महिलाएं सिर पर कलश लेकर यात्रा निकाल रही थी। कलश यात्रा निकालते दौरान पहले बिजली का पोल गिरा और फिर ट्रांसफार्मर भी श्रद्धालुओं पर गिर गया। इस हादसे में रेखा के सिर में आठ व झम्मू के सिर में 32 टांके आए हैं। मिंटू के कंधे पर फैक्चर भी हुआ है। घटना के बाद अफरा-तफरी का माहौल हो गया। किसान नेता रमेश कसाना में बताया कि कलश यात्रा निकालने से पहले बिजली निगम के कर्मचारियों को सूचना दी गई थी। उनसे कहा गया था कि 2 घंटे के लिए बिजली आपूर्ति बंद कर दी जाए, जिससे कि रास्ते में किसी भी तरह का कोई हादसा ना हो। इसका ध्यान बिजली निगम के अधिकारियों ने नहीं दिया और हादसा हो गया।

जेवर एयरपोर्ट परियोजना में बाधा डालने की साजिश नाकाम, पांच गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा,। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा स्थित जेवर एयरपोर्ट परियोजना को बाधित करने और अपहरण की झूठी साजिश रचने के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इस साजिश का मास्टरमाइंड कैप्टन पुत्तन सिंह है, जो एक निजी एयरलाइंस में पायलट है।

पुलिस के अनुसार, जेवर एयरपोर्ट से विस्थापित हंसराज, उनकी पत्नी कमलेश देवी और पुत्र सौरभ को षड्यंत्र के तहत गायब दिखाकर फर्जी अपहरण का मामला गढ़ा गया था। इसके बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में एक बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट दाखिल की गई, जिससे प्रशासन और पुलिस को झूठे मामलों में फंसाया जा सके।

साजिश का मुख्य उद्देश्य एयरपोर्ट के विकास में व्यवधान उत्पन्न कर दबदबा कायम करना और उससे आर्थिक लाभ लेना था। हाई कोर्ट के आदेश पर डीसीपी ग्रेटर नोएडा के नेतृत्व में सात पुलिस टीमों का गठन किया गया। सीसीटीवी, सर्विलांस और वैज्ञानिक तरीकों की मदद से जांच की गई। जांच में पता चला कि अपहृत परिवार को कैप्टन पुत्तन सिंह, प्रमोद, पवन चौधरी, रामा देवी और सरोज बाला ने षड्यंत्र के तहत अगवा किया था। हंसराज और उनके परिवार को इलाज के बहाने 6 जून को आरआर कॉलोनी से ले जाकर दिल्ली के मैदान गढ़ी स्थित एक मकान में छिपाकर रखा गया। 15 जून को उन्हें बीएमडब्ल्यू की डिक्की में छिपाकर यमुना एक्सप्रेस-वे के पास लाया गया, जहां से पवन चौधरी उन्हें अपने एकांत खेत में ले गया और वहां बंधक बनाकर रखा।

पुलिस ने 27 जून को हंसराज, उनकी पत्नी और बेटे को सकुशल बरामद कर लिया और पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया, जिनमें दो महिलाएं भी शामिल हैं।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कैप्टन पुत्तन सिंह, निवासी सेक्टर 135, नोएडा; प्रमोद, निवासी ग्राम दयानतपुर, थाना जेवर; पवन चौधरी, निवासी ग्राम दयानतपुर, थाना जेवर; रामादेवी पत्नी शंकर सिंह, निवासी मैदान गढ़ी, दिल्ली; और सरोज बाला पत्नी कैप्टन पुत्तन सिंह, निवासी सेक्टर 135, नोएडा के रूप में हुई है।

पुलिस ने अपराध में इस्तेमाल की गई बीएमडब्ल्यू कार भी बरामद कर ली है। पुलिस द्वारा कुछ सरकारी अधिकारियों की संदिग्ध भूमिका की भी जांच की जा रही है।

थाना सेक्टर-58 पुलिस व मोबाइल स्नैचर/ चोर बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को लगी गोली

लोक प्रेरणा

नोएडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस द्वारा सेक्टर-57 नोएडा के पास सर्विस रोड पर चैकिंग की जा रही थी, तभी सामने से एक मोटरसाइकिल आती हुई दिखाई दी। संदिग्ध प्रतीत होने पर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को रुकने का इशारा किया गया तो मोटरसाइकिल सवार द्वारा अपनी मोटरसाइकिल मोड़कर भगाने लगा। पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति का पीछा किया गया तो मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा कर गिर गई। बदमाश द्वारा अपने आप को पुलिस टीम से घिरता देख पुलिस टीम पर जान से मारने की नियत से फायर किया गया तो पुलिस टीम द्वारा आत्मरक्षार्थ की गई जवाबी कार्रवाई में बदमाश गोली लगने से घायल हो गया।

घायल बदमाश की पहचान रोहित उर्फ स्वीटी पुत्र ओमकार निवासी ग्राम घडौली, थाना गाजीपुर, दिल्ली, उम्र करीब 23 वर्ष के रूप में हुई है। घायल बदमाश के कब्जे से 01 तमंचा मय 01 खोखा कारतूस व 01 जिंदा कारतूस व घटना में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल स्प्लेंडर प्लस रजि0नं0- वढ16ऊ8971 संबंधित मु0अ0सं0-214/2025 धारा 303(2) बीएनएस, थाना खोडा, कमिश्नरेट गाजियाबाद बरामद की गई है। घायल अभियुक्त को उपचार हेतु अस्पताल भेजा गया है।

दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने की एक झलक दिखाई

लोक प्रेरणा

नोएडा। फर्स्ट वन रिहैब फाउंडेशन की ओर से शनिवार को 'क्षितिज की गूंज' नामक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग बच्चों को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें समाज की मुख्यधारा में जोड़ने की एक झलक दिखाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद डा महेश शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया वहीं मुख्य अतिथि का स्वागत संस्था के अध्यक्ष डा महिपाल सिंह ने किया।

संस्था के अध्यक्ष डॉ महिपाल सिंह ने बताया कि हमारी संस्था का मुख्य उद्देश्य हमेशा से ही दिव्यांग बच्चों का पुनर्वास कर उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना रहा है इसी क्रम में दिव्यांगजन पुनर्वास के क्षेत्र में

गायत्री पुनर्वास केन्द्र प्रयागराज, विनसम रिहेव-नोयडा, विनसम स्टेप्स देहरादून, भागीरथ सेवा संस्थान गाजियाबाद, प्रकृति आयुवेर्दा-गुड़गाँव पिछले कई बर्षों से दिव्यांगजन को समाज को मुख्यधारा से जोडने के लिए पुनर्वास के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य कर रहे है। डा महिपाल सिंह ने संस्था के द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि महेश शर्मा ने दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई गई संस्था की वार्षिक पत्रिका का विमोचन किया गया और बच्चों की प्रस्तुति देखी, बच्चों ने अपनी प्रस्तुति से सेरेब्रल पाल्सी एवं जीवन में होने वाली समस्याओं और उनके निवारण के बारे में बताया। डॉ दीक्षा श्रीवास्तव ने बताया कि आर्थ्रोग्रायपोज़िस मल्टीपल कंजेनिटा (एएमसी) बच्चों में होने वाली पैदायशी समस्या है और जून महीना इंटरनेशनल एएमसी जागुरुकता के लिए समर्पित है इस आयोजन में एएमसी से होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए भी जागरूक किया गया हैं।

संस्था के विशेष बच्चों द्वारा रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गयी वहीं मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी सभी दिव्यांग बच्चों एवं उपस्थित सभी चिकित्सकों को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

मंच का संचालन ग्रंथ एवं सौम्या द्वारा किया गया, कार्यक्रम समापन पर डा सुष्मिता भाटी ने मुख्य अतिथि, बच्चों, अभिभावकों, चिकित्सकों एवं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग काने वाले सभी लोगो को धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में वाई पी सिंह, दिवाकर शुक्ल, डा अमित गुता, डा भावना आनन्द, डा त्रिभुवन, कृष्णा यादव (स्पीच थेरापिस्ट) सुत्री इलिका रावत, डॉ प्रीति श्रीवास्तव, पूनम मिश्रा आदि लोग उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक निजी बस ट्रक से टकराई तीन की मौत

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सवारियां लेकर जालौन जा रही निजी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर टाइल्स से भरे हुए ट्रक में पीछे से जा आज टकराई। इस हादसे में बस में तीन की मौत हो गई।

एसपी देहात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि एक डबल डेकर बस जो कि दिल्ली से उरई जा रही थी, आगे चल रहे मार्बल से भरे ट्रक से अचानक टकरा गई। मौके पर तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। इस हादसे में दो लोग घायल है। जिन्हें सैफई के पीजीआई में भर्ती करवाया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। मृतकों में से एक की पहचान हो गई है। वह उरई का रहने वाला है। वहीं अन्य की पहचान कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। बस को किनारे लगवा दिया गया है। जिससे यातायात व्यवस्था सुगमता से चलती रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार को दिल्ली से सवारियों को लेकर

जालौन जा रही एक निजी बस जब नगला खंगर क्षेत्र के समीप पहुंची। तभी अचानक चालक को नींद की झपकी आ गई। इसके चलते बस अनियंत्रित होकर आगे जा रहे टाइल्स से भरे हुए ट्रक में पीछे से जा टकराई। जिससे बस का आगे और बाएं तरफ का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और हादसा हो गया। इस दौरान चीख पुकार मच गई। मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मृतकों को पहचान शुरू कर दी।

घटनास्थल पर यूपीडा गश्ती दल, डायल 112, थाना नगला खंगर पुलिस और सेफ्टी टीम मौजूद रही। राहत कार्य के दौरान बाकी यात्रियों को दूसरी बसों में स्थानांतरित कर दिया गया। क्षतिग्रस्त बस को हटाया गया और यातायात सामान्य कर दिया गया। हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 68 एलएचएस पर हुआ। घायलों को एसएसडी और एटलस एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में एक निजी बस ट्रक से टकराई तीन की मौत

फिरोजाबाद । उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में सवारियां लेकर जालौन जा रही निजी बस आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर टाइल्स से भरे हुए ट्रक में पीछे से जा आज टकराई। इस हादसे में बस में तीन की मौत हो गई।

एसपी देहात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि एक डबल डेकर बस जो कि दिल्ली से उरई जा रही थी, आगे चल रहे मार्बल से भरे ट्रक से अचानक टकरा गई। मौके पर तीन व्यक्तियों की मौत हो गई। इस हादसे में दो लोग घायल है। जिन्हें सैफई के पीजीआई में भर्ती करवाया गया है। जहां उनका इलाज जारी है। मृतकों में से एक की पहचान हो गई है। वह उरई का रहने वाला है। वहीं अन्य की पहचान कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। बस को किनारे लगवा दिया गया है। जिससे यातायात व्यवस्था सुगमता से चलती रहे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार शनिवार को दिल्ली से सवारियों को लेकर जालौन जा रही एक निजी बस जब नगला खंगर क्षेत्र के समीप पहुंची। तभी अचानक चालक को नींद की झपकी आ गई। इसके चलते बस अनियंत्रित होकर आगे जा रहे टाइल्स से भरे हुए ट्रक में पीछे से जा टकराई। जिससे बस का आगे और बाएं तरफ का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और हादसा हो गया। इस दौरान चीख पुकार मच गई। मौके पर पुलिस पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मृतकों को पहचान शुरू कर दी।

घटनास्थल पर यूपीडा गश्ती दल, डायल 112, थाना नगला खंगर पुलिस और सेफ्टी टीम मौजूद रही। राहत कार्य के दौरान बाकी यात्रियों को दूसरी बसों में स्थानांतरित कर दिया गया। क्षतिग्रस्त बस को हटाया गया और यातायात सामान्य कर दिया गया। हादसा एक्सप्रेसवे के किलोमीटर 68 एलएचएस पर हुआ। घायलों को एसएसडी और एटलस एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया।

बेंगलुरु सीट ब्लॉकिंग घोटाला : 17 ठिकानों पर छापेमारी में ईडी को मिले अहम सबूत

बेंगलुरु, । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को बेंगलुरु के निजी इंजीनियरिंग कॉलेज में सीट ब्लॉकिंग घोटाले में अहम सुराग हाथ लगे हैं। ईडी की टीमों ने 25 और 26 जून को सीट ब्लॉकिंग घोटाले के सिलसिले में 17 ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई की थी। ये कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग अधिनियम के तहत की गई।

ईडी को इस छापेमारी में काफी सफलता मिली। मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों से संबंधित कई आपत्तिजनक दस्तावेज और अन्य डिजिटल डिवाइस मिले, जिन्हें ईडी ने जब्त कर लिया। इसके अलावा कार्रवाई में निजी संस्थानों में कुछ मुख्य कोर्सेज में प्रवेश प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर सीट ब्लॉकिंग और नकदी के इस्तेमाल से जुड़े साक्ष्य सामने आए।

दस्तावेजों से पता चला है कि इन कॉलेजों में व्यापक स्तर पर सीट ब्लॉकिंग की जाती थी और नकद पैसे के जरिए एडमिशन कराए जाते थे, खासतौर पर अहम प्रोफेशनल कोर्सेज में।

प्रवर्तन निदेशालय की टीमों ने जिन जगहों पर छापे मारे, उनमें बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, आकाश इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, न्यू होराइजन कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग और इनसे जुड़े लोगों के दफ्तर शामिल थे। साथ ही कुछ एजुकेशन कंसल्टेंसी कंपनियों और निजी एजेंटों के ठिकानों पर भी तलाशी ली गई, जो इस घोटाले से जुड़े हैं।

ईडी की जांच में सामने आया कि एजेंट और एजुकेशन कंसल्टेंसी का व्यापक नेटवर्क बना हुआ था, जिसका इस्तेमाल इन संस्थानों में दाखिले के लिए देशभर से छात्रों को लाने के लिए किया जाता था। मैनेजमेंट कोटे की सीटों पर एडमिशन पारदर्शी तरीके से नहीं, बल्कि नकद पैसे और बाहरी दबाव के आधार पर किया जाता था।

जांच एजेंसी की हालिया कार्रवाई में अहम सबूतों के अलावा करीब 1.37 करोड़ रुपए की नकदी जब्त की गई, जो आपराधिक तरीके से कमाई गई थी।

इस मामले की शुरूआत तब हुई जब कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण (केईए) ने एक एफआईआर दर्ज कराई। एफआईआर में आरोप था कि ये कॉलेज कुछ अज्ञात लोगों के साथ मिलकर केईए में रजिस्टर छात्रों के लॉगिन आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल करके उन छात्रों के नाम पर सीटें ब्लॉक कर रहे थे, जो असल में एडमिशन लेने नहीं जा रहे थे। इस तरह ये सीटें जानबूझकर खाली छोड़ी जाती थीं, जिसे बाद में उन्हें ऊंची कीमत पर बेचा जा सके।

पीएम मोदी के नेतृत्व में नारीशक्ति, राष्ट्रशक्ति बन रही : सीएम रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शनिवार को आपातकाल की 50वीं बरसी पर दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा की ओर से महाराष्ट्र सदन में आयोजित मॉक पार्लियामेंट में शामिल हुईं। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिला कल्याण के क्षेत्र में हो रहे प्रयासों की चर्चा की। महिलाओं का आह्वान किया कि वो राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं।

रेखा गुप्ता ने पीएम मोदी की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा, "पीएम मोदी के नेतृत्व में नारीशक्ति, राष्ट्रशक्ति बन रही है। महिलाओं को आवास, शौचालय, गैस कनेक्शन और स्वच्छ जल जैसी बुनियादी सुविधाएं मिली हैं। मुस्लिम बहनों को तीन तलाक से मुक्ति और महिलाओं को संसद व विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण के माध्यम से लोकतंत्र में बराबरी की भागीदारी सुनिश्चित हुई है। अब समय है हम महिलाएं न केवल जागरूक बनें, बल्कि जिम्मेदारी लें और राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएं।"

वहीं, आपातकाल पर सीएम ने कहा कि वो एक ऐसा दौर था जहां कोई आवाज नहीं उठा सकता था। 21 महीने तक यातनाएं दी गईं। जिन्होंने भी आवाज उठाई उन्हें कुचल दिया गया, देश ने इतिहास में ऐसा काला अध्याय कभी नहीं देखा। पूर्व पीएम ने सत्ता में बने रहने के लिए लोगों को जेल में डाल दिया। मीडिया की आजादी पर पाबंदी, शासन-प्रशासन कुछ भी नहीं बोल सकते थे। युवाओं की जबरन नसबंदी कराई गई। रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट भी साझा की। लिखा, ह्लआपातकाल की 50वीं बरसी पर दिल्ली प्रदेश महिला मोर्चा द्वारा महाराष्ट्र सदन में आयोजित मॉक पार्लियामेंट में लोकतंत्र की हत्या के उस काले अध्याय पर अपने विचार साझा किए। 1975 में सिर्फ एक परिवार की सत्ता बचाने के लिए कांग्रेस सरकार ने पूरे देश को एक खुली जेल में तब्दील कर दिया था। हजारों देशभक्तों को बिना किसी मुकदमे के जेलों में डाल दिया गया। आज जो लोग संविधान की दुहाई देते हैं, उन्हें याद रखना चाहिए कि भारत की आत्मा को सबसे गहरा आघात कांग्रेस की ही तानाशाही ने पहुंचाया था।

भ्रष्टाचार के आरोपी जेल अधिकारियों पर गिरी गाज, 20 से ज्यादा सस्पेंड

चंडीगढ़ । पंजाब की मान सरकार ने शनिवार को भ्रष्टाचार के मामले में 25 जेल अधिकारियों को सस्पेंड किया है। इसमें 3 डिप्टी सुपरिंडेंट, 2 असिस्टेंट सुपरिंडेंट और शेष जेल कर्मचारी शामिल हैं।

पंजाब सरकार के प्रवक्ता के अनुसार जेल में ड्रग्स नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए सरकार ने यह कदम उठाया है। इससे पहले सरकार को जेल में भ्रष्टाचार की जानकारी मिली थी, तब जाकर यह कार्रवाई की गई है। सरकार के प्रवक्ता ने इस कार्रवाई के बारे में पूरी जानकारी दी।

सरकार की ओर से यह कार्रवाई जेल की कार्यशैली में सुधार लाने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए की गई है। सोच यही है कि अधिकारी अपने पद को गंभीरता से

लें, लापरवाही न करें। उम्मीद जताई जा रही है कि इस कार्रवाई से जेल अधिकारी अपने काम को निष्ठापूर्वक करेंगे।

बता दें कि नशे को लेकर पंजाब सरकार का रवैया शुरू से ही सख्त रहा है। नशे पर अंकुश लगाने के लिए अब तक प्रदेश सरकार की तरफ से कई कदम उठाए जा चुके हैं।

इससे पहले, 26 जून को पंजाब सरकार ने डेटा इंटेलिजेंस और तकनीकी सहायता इकाई स्थापित करने के लिए अनन्या बिड़ला फाउंडेशन के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया था।

इसके बाद मुख्यमंत्री भगवंत ने कहा था कि यह कदम राज्य भर में नशे पर अंकुश लगाने के मकसद से उठाया गया है।

मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई थी कि इससे नशे के पूरे तंत्र पर बड़ा प्रहार लगेगा और जो युवा मौजूदा समय में नशे के चंगुल में फंसे हुए हैं, उन्हें भी छुटकारा मिलेगा। युवा देश का भविष्य हैं और नशे से देश का भविष्य बर्बाद हो रहा है।

मुख्यमंत्री के मुताबिक, लोगों को नशे से छुटकारा देने के लिए कई जगहों पर रिहैबिलिटेशन सेंटर भी स्थापित किए जा रहे हैं।

पुणे में फर्जी बाबा गिरफ्तार, श्रद्धालुओं से ठगी और यौन शोषण का आरोप

पुणे, । पुणे के बावधन इलाके में एक फर्जी बाबा को श्रद्धालुओं से धोखाधड़ी और यौन शोषण के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस ने की है।

आरोपी की पहचान 29 वर्षीय प्रसाद दादा भीमराव तामदार के रूप में हुई है, जो मुलशी के सुसगांव का रहने वाला है। उसे बावधन पुलिस थाने में दर्ज की गई एक शिकायत के आधार पर हिरासत में लिया गया।

पुलिस के अनुसार, तामदार खुद को एक आध्यात्मिक गुरु बताकर लोगों की भावनाओं का शोषण करता था। वह दावा करता था कि उसके पास ऐसी दिव्य शक्तियां हैं, जो लोगों की व्यक्तिगत, आर्थिक और मानसिक समस्याएं दूर कर सकती हैं। इसी बहाने वह उनका विश्वास जीतता और फिर धार्मिक अनुष्ठानों के नाम पर अश्लील हरकतें करवाता।

पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी अपने अनुयायियों को एक एप्लिकेशन अपने मोबाइल में इंस्टॉल करने को कहता था। इस ऐप की मदद से वह पीड़ितों के फोन तक रिमोट एक्सेस हासिल कर लेता था। फिर वह उन्हें अश्लील वीडियो बनाने और अनुचित हरकतें करने के लिए मानसिक रूप से मजबूर करता था।

बाबा बनने का नाटक कर रहा तामदार न केवल यौन शोषण करता था, बल्कि बड़ी रकम की मांग भी करता था। वह कहता था कि ये पैसे उसके आश्रम और धार्मिक गतिविधियों के संचालन के लिए हैं।

पुलिस को अब तक कम से कम पांच लोगों से औपचारिक शिकायतें मिली हैं। माना जा रहा है कि इससे कहीं अधिक लोग इस फर्जी बाबा के जाल में फंसे हैं।

यह मामला देहूरोड निवासी 39 वर्षीय व्यक्ति की शिकायत पर दर्ज किया गया है। आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (धारा 318 - धोखाधड़ी, धारा 75 - यौन उत्पीड़न), सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और महाराष्ट्र मानव बलि और अन्य अमानवीय, कुप्रथा और अघोरी क्रियाओं की रोकथाम अधिनियम, 2013 के तहत केस दर्ज किया गया है।

बावधन पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ निरीक्षक अनिल विभुते ने पुष्टि की है कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है और गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

शाहदरा युवक हत्याकांड : लव एंगल आया सामने

नई दिल्ली । शाहदरा के गीता कॉलोनी में 19 वर्षीय यश की हत्या के मामले में प्रारंभिक जांच में पुलिस ने इसे रोडरेज से जोड़ा था। लेकिन यश की मां के बयान के अनुसार, हत्या के पीछे प्रेम प्रसंग का एंगल सामने आया है। मां का दावा है कि यश का एक लड़की से प्रेम संबंध था, जिसके चलते साजिश के तहत उसकी हत्या की गई।

19 वर्षीय यश की हत्या के मामले में पुलिस ने तीन संदिग्धों को शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया, जिनमें से एक नाबालिग है। कुछ रिपोर्ट्स में तीसरे संदिग्ध की भी बात सामने आई है। आरोप है कि तीनों ने यश का गीता कॉलोनी पुस्ता फ्लाईओवर पर पीछा किया, फिर उसकी पीठ पर चाकू से कई बार वार किया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

किस्तान के उत्तरी वजीरिस्तान में आत्मघाती बम विस्फोट में 13 सैनिकों की मौत, 29 लोग घायल

इस्लामाबाद, । खैबर पख्तूनख्वा के उत्तरी वजीरिस्तान जिले के खादी इलाके में शनिवार सुबह हुए आत्मघाती हमले में 13 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए और 29 अन्य घायल हो गए।

पाकिस्तानी मीडिया आउटलेट मशरिक टीवी ने सुरक्षा एजेंसियों का हवाला देते हुए बताया कि सेना के काफिले के गुजरने के कारण इलाके में कर्फ्यू के दौरान एक आत्मघाती हमलावर ने बम निरोधक टीम से संबंधित एक माइन-रेसिस्टेंट इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) वाहन से विस्फोटक से लदा एक वाहन टकरा दिया। शक्तिशाली विस्फोट के कारण 13 सैन्यकर्मी मारे गए और 19 आम नागरिकों सहित 29 लोग घायल हो गए। क्षेत्र में अंधाधुंध गोलीबारी की भी खबरें हैं, जिससे महिलाओं और बच्चों सहित 19 नागरिक घायल हो गए। रिपोर्टों में कहा गया है कि विस्फोट के तुरंत बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार, महिलाओं और बच्चों सहित कई घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका है। तहरीक-ए-तालिबान (टीटीपी) पाकिस्तान से संबद्ध हाफिज गुल बहादुर समूह के एक छोटे गुट उसुद अल-हरब ने कथित तौर पर आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। इस घटना को हाल के महीनों में उत्तरी वजीरिस्तान में सबसे घातक हमला कहा जा रहा है, जिससे इलाके में बिगड़ती सुरक्षा स्थितियों पर गंभीर चिंताएं बढ़ गई हैं।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा इंटर सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने अभी तक हमले पर कोई टिप्पणी नहीं की है। रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा बलों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और इलाके में तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। पिछले महीने, अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत के सीमावर्ती किला अब्दुल्ला के गुलिस्तान इलाके में एक कार बम विस्फोट में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई थी और 20 से अधिक लोग घायल हो गए, जिनमें से आठ गंभीर रूप से घायल हो गए थे। यह विस्फोट गुलिस्तान शहर में क्वेटा-चमन राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित जब्बार वाणिज्यिक बाजार में हुआ था, जो पाकिस्तान के फ्रंटियर कोर (एफसी) के किले से सटा हुआ है।

योगी सरकार ने ऑपरेशन कन्विक्शन में अपराधियों को तीन नए कानूनों के चिन्हित 457 मामलों में दिलाई सजा

लखनऊ । योगी सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति की देश ही नहीं दुनिया भर में सराहना हो रही है। पिछली सरकारों में गुंडा राज और ध्वस्त कानून व्यवस्था के लिए पहचाने जाने वाले उत्तर प्रदेश को आज सुशासन और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिए दुनिया में नई पहचान मिली है। इस दिशा में योगी सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन की अहम भूमिका है। योगी सरकार के ऑपरेशन कन्विक्शन के जरिए पिछले एक साल में 97 हजार से अधिक अपराधियों को सजा दिलाई गई है, जबकि पिछले करीब एक साल में तीन नए आपराधिक कानूनों के तहत चिन्हित कुल 457 मामलों में त्वरित सुनवाई के बाद दोषियों को सजा दिलाई गई है। इसकी हाल ही में बनारस में मध्य क्षेत्रीय परिषद की मीटिंग में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी काफी सराहना की।

अभियोजन एडीजी दीपेश जुनेजा ने बताया कि सीएम योगी के नेतृत्व में ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत तीन नए आपराधिक कानूनों का सफल और प्रभावी अनुपालन प्रदेश को न केवल अपराध मुक्त बनाने की दिशा में अग्रसर कर रहा है, बल्कि यह पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल भी प्रस्तुत कर रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दृढ़ नेतृत्व में चल रही यह पहल उत्तर प्रदेश को ह्लसुरक्षित और सशक्त राज्यह्व बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने बताया कि पिछले करीब एक साल में तीन नए आपराधिक कानूनों

के तहत अब तक 457 मामलों में सजा सुनाई जा चुकी है। इनमें 4 अपराधियों को मृत्युदंड (फांसी की सजा), 10 अपराधियों को आजीवन कारावास, 425 अपराधियों को 20 वर्ष से कम कारावास की सजा और 19 अपराधियों को 20 वर्ष से अधिक कारावास की सजा दिलाई गई है।

इन मामलों में अदालतों में अभियोजन पक्ष ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर मजबूत और तथ्यात्मक तर्क रखे। इसमें विशेष रूप से बीएनएसएस के प्रावधानों का सही उपयोग कर न्याय प्रक्रिया को सशक्त और तेज बनाया गया। इसके अलावा योगी सरकार ने सुनिश्चित किया कि गवाहों की सुरक्षा, साक्ष्य संग्रहण और अदालतों में समय पर उपस्थिति की सभी आवश्यकताएं पूरी हों।

एडीजी ने बताया कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 1 जुलाई 2024 से पूरे प्रदेश के 25,000 वादों की सुनवाई में प्रभावी डिजिटल दस्तावेज और गवाहों के बयान दर्ज किए गए, जिससे पुलिस और सरकारी गवाहों को बार-बार अदालत आने की आवश्यकता कम हुई और योगी सरकार को लगभग 25 करोड़ रुपये की बचत हुई। उन्होंने बताया कि बदांयू के बिल्सी थाने में दर्ज केस (394/2024) में आरोपी जाने आलम को बीएनएस की धाराओं में मृत्युदंड और 2 लाख 30 हजार रुपये के आर्थिक दंड से दंडित कराया गया है। इसी तरह हाथरस के कोतवाली थाने में केस (26/2025) में आरोपी विकास और लालू पाल को मृत्युदंड के साथ 80 हजार रुपये का अर्थदंड दिलाया गया है। इसके अलावा कानपुर देहात के भीमगंज थाने में दर्ज केस (224/2024) में आरोपी दीपू को बीएनएस की धाराओं के तहत मृत्युदंड और 10 लाख रुपये के आर्थिक दंड से दंडित कराया गया है।

29वां राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह : मुख्यमंत्री ने 135 भामाशाहों को किया सम्मानित

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य विद्यार्थियों को सिर्फ शिक्षा प्रदान करना ही नहीं बल्कि इसके माध्यम से उनके जीवन में मूल्यों, नैतिकता और संस्कारों का समावेश कर आदर्श नागरिक बनाना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में भामाशाहों, शिक्षाविदों एवं प्रेरकों की त्रिवेणी अहम भूमिका निभा रही है। इनसे प्रेरणा लेकर समाज के अन्य लोग भी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने के लिए प्रेरित होंगे।

शर्मा शनिवार को माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के तक्षशिला सभागार में आयोजित 29वें राज्यस्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेवाड़ की रक्षा के लिए अपनी समस्त संपत्ति महाराणा प्रताप को समर्पित करने वाले भामाशाह का नाम हमारे हृदय में गर्व और सम्मान का भाव जगाता है। आज भी आवश्यकता पड़ने पर समाज के लिए भामाशाह आगे आते हैं। उन्होंने कहा कि समभाव, समानता तथा एक-दूसरे को आगे बढ़ाने का दृष्टिकोण प्रदेश की मिट्टी में विद्यमान है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संस्कृति में दान का विशेष महत्व है। प्राचीन काल से ही हमारे शास्त्रों में दान को पुण्य का कार्य माना गया है। उन्होंने कहा कि भगवद् गीता में कहा गया है कि बिना किसी अपेक्षा के दिया गया दान सबसे उत्तम होता है। भामाशाह भी इसी भावना के साथ विद्यालयों में आर्थिक सहयोग दे रहे हैं। विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए हमारी सरकार सभी राजकीय विद्यालयों के संस्थागत ढांचे को सुविधायुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है।

13 हजार राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट क्लास-रूम शुरू

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में हर बच्चे को सुलभ, आधुनिक और समावेशी शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कई क्रांतिकारी कदम उठाए हैं। बच्चों को डिजिटल शिक्षा देने के लिए लगभग 14 हजार राजकीय विद्यालयों में आईसीटी लैब स्थापित की गई हैं। साथ ही, 13 हजार राजकीय विद्यालयों में स्मार्ट

क्लास-रूम शुरू किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हमने 402 पीएम श्री विद्यालयों में पूर्व प्राथमिक कक्षाएं शुरू की हैं जो बच्चों को प्रारंभिक स्तर पर ही मजबूत आधार प्रदान कर रही हैं। साथ ही, स्वामी विवेकानंद विद्यालयों में भी पहली बार प्राथमिक कक्षाओं की शुरूआत की गई है।

2 लाख 27 हजार बालिकाओं को 90 करोड़ रुपये से अधिक की डीबीटी

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने हमेशा से बेटियों को सशक्त बनाने को अपनी प्राथमिकता माना है। इसी दिशा में 2 लाख 27 हजार बालिकाओं को गार्गी पुरस्कार और बालिका प्रोत्साहन योजना के तहत 90 करोड़ रुपये से अधिक की राशि डीबीटी के माध्यम से प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह राशि बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने और उनके सपनों को पंख देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

डेढ़ साल में ही हमने किए पिछली सरकार से ज्यादा कार्य

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल की तुलना में शिक्षा के क्षेत्र में योजनाओं को धरातल पर उतारने में अधिक गंभीरता के साथ काम किया है। उन्होंने कहा कि हमने साढ़े दस लाख साइकिलें बांटीं जबकि पिछली सरकार ने 18 महीनों में साढ़े तीन लाख और 5 वर्षों में 10 लाख 36 हजार साइकिलों का ही वितरण किया। कौशल प्रशिक्षण में हमने तीन लाख से अधिक लोगों को प्रशिक्षित किया जबकि पिछली सरकार सरकार ने 5 वर्षों में 2 लाख 35 हजार को ही प्रशिक्षण दिया। छात्रा स्कूटी वितरण योजना में हमारी सरकार ने करीब 30 हजार स्कूटी बांटीं जबकि पूर्ववर्ती सरकार ने 18 महीनों में 6 हजार 400 और 5 वर्षों में करीब 21 हजार स्कूटी बांटीं। टैबलेट-लैपटॉप वितरण में हमने 88 हजार से अधिक विद्यार्थियों को लाभ दिया है।

भामाशाह कर रहे शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का नेक एवं सराहनीय कार्य

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी भामाशाह शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग का नेक एवं सराहनीय कार्य कर रहे हैं। विद्यालयों के निर्माण, पुनर्निर्माण और बच्चों को आधुनिक शिक्षण सामग्री उपलब्ध कराने जैसे कार्यों में उन्होंने अपना धन लगाया है। उन्होंने कहा कि भामाशाह केवल इमारतें नहीं बनवा रहे, बल्कि हमारे बच्चों के सपनों को भी एक नई उड़ान दे रहे हैं। भामाशाह स्वयं से ऊपर उठकर अपने समाज, क्षेत्र और राष्ट्र के विकास की सोच के साथ कार्य कर रहे हैं।

लोक प्रेरणा
Email- lokprerna@gmail.com

नई दिल्ली। आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा में चमत्कारी औषधि के ''खिताब' से नवाजी गई हल्दी वैज्ञानिकों की भी पसंद बन गई है और उन्होंने अपने शोध में कैंसर, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, गठिया एवं सोरायसिस समेत कई बीमारियों की रोकथाम में भारतीय मसालों की इस ''सरताज' को कारगर पाया है।

कैंसर व दिल की बीमारी में भी कारगर : राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक पद्मश्री प्रोफसर (डॉ.) मोहसिन वली ने बृस्पतिवार को कहा कि हल्दी का लोहा अब वैज्ञानिक भी मान रहे हैं। रंग में ही नहीं गुणों में भी ''सोना' हल्दी को सर्दी-जुकाम से लेकर कैंसर और दिल से जुड़ी बीमारियों से लड़ने में सक्षम पाया गया है।

हल्दी ''प्लाक' नहीं जमने देती : हृदय रोग विशेषज्ञ प्रो. मोहसिन वली ने कहा वैज्ञानिक इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि हल्दी का मुख्य घटक ''करक्यूमिन' न केवल कैंसर की कोशिकाओं को मारने और उनकी वृद्धि रोकने में सक्षम है बल्कि यह हमारे दिल का सबसे अच्छा दोस्त भी है। करक्यूमिन हमारे शरीर में पहुंच कर धमनियों के भीतर ''प्लाक' नहीं जमने देता है जिससे खून में क्लॉट नहीं बन पाता है। क्लॉट बनने से हृद्याघात का गंभीर खतरा हो जाता है। इसके अलावा प्लाक नसों को संकरा बना देता है जिससे खून का प्रवाह बाधित होने लगाता है।

खराब कोलेस्ट्रॉल कम करे: हल्दी का उचित मात्रा में सेवन करने से हल्दी का यह पीला घटक खराब कोलेस्ट्रॉल को 56 फीसदी तक घटाकर कोलेस्ट्रॉल ऑक्सिडेशन को कम करता है। यह हमारे खून के सीरम ट्राइग्लिसराइड्स स्तर को भी 27 फीसद तक कम करता है। कुल मिलकर यह टोटल कोलेस्ट्रॉल को भी 33.8 फीसद कम करके दिल को मजबूती से धड़कने में अहम भूमिका निभाता है। इसमें एंटी-इन्फ्लैमटोरी और एंटी-ऑक्सिडेंट गुण भी हैं।

कैंसर और करक्यूमिन का 36 का आंकड़ा है : करक्यूमिन तेजी से बढ़ते कैंसर की कोशिकाओं पर लगाम लगाता है। हल्दी परविदेशों में भी लगातार शोध हो रहे हैं। ब्रिटेन के ''कॉर्क कैंसर रिसर्च सेंटर' में किए गए परीक्षण में करक्यूमिन का प्रयोग में गले की कैंसर कोशिकाओं को खत्म करने में बेहद कारगर पाया गया। डॉ. शैरन मैक्केना और उनकी टीम के अनुसार करक्यूमिन ने 24 घंटों के भीतर कैंसर की कोशिकाओं को मारना शुरू कर दिया।

सोरायसिस में कारगर : अमेरिका और ईरान में भी हल्दी पर नए शोध हुए हैं जिसमें करक्यूमिन को सोरायसिस की बीमारी में कारगर पाया गया है। इस संबंध में ''अमेरिकन एकेडमी ऑफ डरमाटोलोजी' और ईरान की फार्मास्यूटीकल रिसर्च पत्रिका में शोध पत्र प्रकाशित हुआ है।

प्रतिदिन हल्दी खाएं : खाने में पांच ग्राम हल्दी रोज आवश्यक है। दूध में उबालकर लेने से इसका बेहतर नतीजा मिलता है। कच्ची हल्दी का रस त्वचा पर लगाने और उसका सेवन करने से सोरायसिस की बीमारी में भी बहुत लाभ मिलता है। यह ऊर्जा देने के साथ खून को साफ रखती है।

गठिया में कारगर : हर बीमारी की शुरुआत इन्फ्लैमेशन से ही होती है और कई तरह के ''धारधार हथियारों से लैस' हल्दी ऐसे दुश्मनों को तो पहले ही पटकनी दे देती है। यह हमारे शरीर से फ्री रेडिकल्स को निकाल बाहर करती है। फ्री रेडिकल्स शरीर के जोड़ों पर सूजन पैदा करते हैं जिससे हमें असहनीय दर्द होता है और कालांतर में जोड़ों को बेहद नुकसान भी पहुंचता है। यह गठिया की बीमारी में भी कारगर है।

दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूंढ़े : भोपाल में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विवि के कुलपति पीयूष द्विवेदी बताया कि हमने अपने पिछले शोध में हल्दी से दो एंटी कैंसर मॉलिक्यूल ढूंढ़े हैं जो बिना किसी दुष्प्रभाव के कैंसर की कोशिकाओं को तेजी से मारने में सक्षम होंगे। सीटीआर-17 और सीटीआर-20 मॉलिक्यूल विभिन्न प्रकार के कैंसर के उपचार में कारगर साबित हो सकते हैं। हल्दी एंटीसेप्टिक और हीलिंग प्रोपर्टीज पर 12 से अधिक सालों के शोध के बाद इन दो मॉलिक्यूल की खोज हो पाई है। शोध एडवांस स्टेज में है और पूरा होने पर कैंसर के खिलाफ बेहद कारगर हथियार साबित हो सकता है।

अवसाद पीड़ित अधिकतर लोगों का नहीं हो पाता है बेहतर इलाज

विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है, गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है

गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है

लंदन। दुनिया भर में अवसाद से ग्रस्त लगभग लगभग 35 करोड़ लोगों को न्यूनतम उपचार भी प्राप्त नहीं हो पाता है। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' द्वारा 21 देशों के 50,000 लोगों पर करवाए गए एक अंतरराष्ट्रीय अध्ययन के अनुसार अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं वाले विकसित देशों में भी अवसाद से ग्रस्त 20 फीसद लोगों का ही इलाज बेहतर तरीके से हो पाता है। गरीब देशों में तो यह स्थिति काफी भयावह है। अध्ययन के अनुसार गरीब देशों में अवसाद से ग्रस्त 27 लोगों में से केवल एक को ही बेहतर उपचार मिल पाता है। शोध की अगुवाई कर रहे ''किंग्स कॉलेज',लंदन के प्रोफेसर ग्राहम थोरनीक्रोफ्ट ने बताया, अवसाद से ग्रस्त अधिकतर लोगों का इलाज बहुत कम हो पाता है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से आह्वान किया कि मानसिक स्वास्थ्य सेवा में बढ़ोतरी के लिए संसाधन और उपाय बढ़ाने चाहिए ताकि अवसाद से ग्रस्त सभी लोगों का बेहतर इलाज हो सके। ''विश्व स्वास्थ्य संगठन' के अनुसार दुनिया भर में सभी उम्र के लगभग 35 करोड़ लोग अवसाद से ग्रस्त हैं जिससे दुनिया भर में कार्य हीनता की स्थिति बढ़ रही है। अध्ययन में सामने आया है कि हालांकि इस बात को लेकर लोगों में जागरुकता बढ़ रही है कि अवसाद का इलाज हो सकता है और मनोवैज्ञानिक उपचारों और ध्यान लगाकर इसका उपचार किया जा सकता है। यह शोध बृहस्पतिवार को ''ब्रिटिश जर्नल ऑफ साइकिएट्री' में प्रकाशित हुआ है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। बनते हुए कार्यों में बाधा आएगी। कुछ आर्थिक चिंताएं भी कम होंगी। नियोजित धन से लाभ होने लगेगा। घर के सदस्य मदद करेंगे। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। किसी नजदीकी शुभचिंतक सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। पुराने मित्र से मिलन होगा। पुरुषार्थ का सहारा लें। शुभांक-5-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष पर आप हावी रहेंगे। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। आलस्य का त्याग करें। शुभांक-6-8-9

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। शुभांक-5-6-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात्‌ दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभांक-5-8-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेंगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। शुभांक-3-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन है। ''आगे-आगे गोरख जागे'' वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

लॉफिंग ज़ोन

राकेश (सुनील से)- यार, तुम्हारी बीवी को जब गुस्सा आता था तो वह काटना शुरूकर देती थी. अब काटती है या नहीं?

सुनील (राकेश)- नहीं.

राकेश (सुनील)- क्यों क्या उसे अब गुस्सा नहीं आता?

सुनील (राकेश)- ऐसी बात नहीं है. गुस्सा तो आता है, पर अब दांत नहीं रहे.

☺ ☺ ☺

भाषणकर्ता - धीरज रखना बहुत बड़ा गुण है. इससे बडे-बडे काम हो सकते हैं.....

एक श्रोता - इससे छलनी में पानी नहीं भरा जा सकता.

भाषणकर्ता - क्यों नही भरा जा सकता? सिर्फ पानी के जम जाने तक हमें धीरज रखना होगा.

☺ ☺ ☺

एक नाई बहुत तेज धार वाले उस्तरे से शेव कर रहा था. उसने ग्राहक से पूछा- आप कितने भाई है?

ग्राहक - तुम्हारे उस्तरे से बच गये तो चार होंगे, वरना तीन ही समझो!

☺ ☺ ☺

मालिक (नए चपरासी से)- तुम्हें मैनेजर ने काम समझा दिया है न?

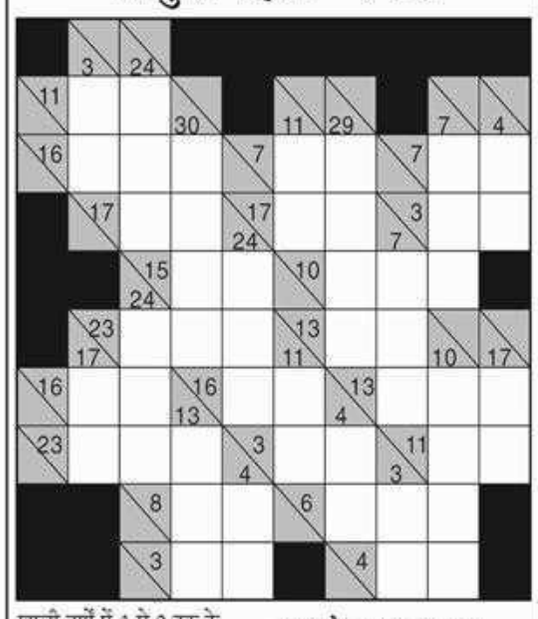

चपरासी (मालिक से)- जी हां, उन्होंने समझा दिया है कि जब आप दफ्तर में आएं तब मैं उन्हें जगा दिया करुं.

काकुरो पहेली - 736

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

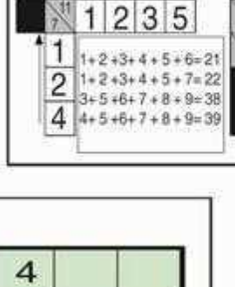

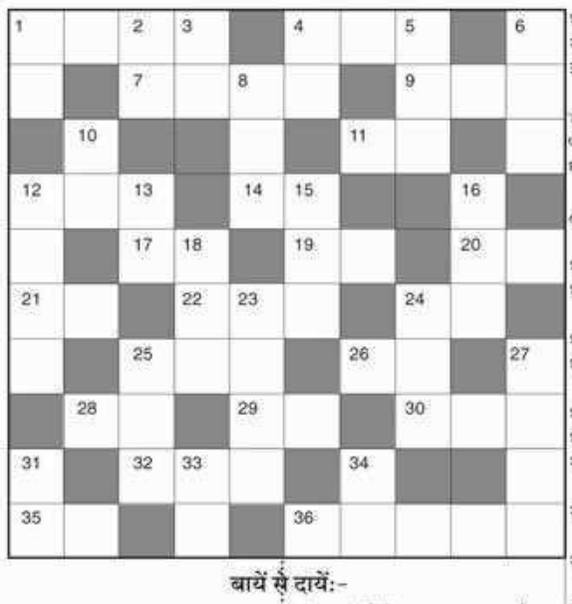

उदाहरणत:

11/7: 1 2 3 5 ; 1 2 4

1+2+3+4+5+6=21
1+2+3+4+5+7=22
3+5+6+7+8+9=38
4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 735 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 736

बायें से दायें:-

१. 'इश्क कभी करियो' गीत वाली फिल्म-४
४. 'किस कारण नैया डोली' गीतवाली सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
७. मिथुन, रंभा, वैष्णवी की 'कारी कजरारी कंवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं एक प्यासी' गीत वाली सनी, संजय, धर्मेन्द्र, रवीना, दिव्या की फिल्म-३
११. विनोद खन्ना, शबाना आजमी की अरुणा विकास निर्देशित फिल्म-२
१२. 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली दिनो मोरिया, बिपाशा की फिल्म-३
१४. अनिलकपूर, अक्षय, ऐश्वर्या की 'इस टूटे दिल की पीर' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली अर्जुन रामपाल, आयेद, अमीषा की फिल्म-२
१९. सलमान खान, शिल्पा की 'फरियाद क्या करें हम' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'प्यार काहे बनाया' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
२१. 'प्रहार' में डिम्पल का नायक कौन-२
२२. जैकी श्रॉफ, मनीषा कोइराला की 'एक बात बताऊं' गीतवाली फिल्म-३
२४. लकी अली, गौरी की एक फिल्म-२
२५. फिल्म 'बड़े दिलवाला' में प्रिया गिल के साथ नायक-३
२६. संजयकपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से देखा' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'कुली' में प्रियांशु की नायिका-२
२९. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'मेरे चेहरे पे लिखा है' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
३२. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'घर आजा परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
३५. 'राज की बात कह दूं तो' गीत वाली नवीननिश्चल, प्राण, रेखा की फिल्म-२
३६. मिथुन, मधु की 'तू चीज बड़ी है सख्त सख्त' गीत वाली फिल्म-५

ऊपर से नीचे:-

१. संजीवकुमार, विद्या सिन्हा की फिल्म-२
२. 'एक मैं हूं एक तू है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'बड़े नाजुक दौर से' गीत वाली अभिषेक, भूमिका चावला की फिल्म-२
४. सनी, शाहरुख खान, जूही चावला फिल्म-२
५. 'तन्हा तन्हा दिल अपना' गीत वाली फिल्म-३
६. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुम से' गीत वाली फिल्म-३
८. 'चूड़े वाली छमिया मिला' गीत वाली सनी देओल, जयाप्रदा की फिल्म-३
१०. फिल्म 'विश्वनाथ' में नायिका कौन थी ?-२
१२. मनोजकुमार, नंदा की 'जाने चमन शोला बदन' गीत वाली फिल्म-४
१३. इमरान, शाहबाज, तब्बू की फिल्म-२
१५. परीक्षित साहनी, नूतन की 'एक छोरा है गोरा' गीत वाली फिल्म-३
१६. आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
१८. 'बिन साजन झूला झूलूं' गीत वाली फिल्म-३
२३. राजेंद्रकुमार, धर्मेन्द्र, मालासिन्हा की 'बोल मेरे साथिया' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'जलते हैं जिसके लिये' गीत वाली सुनीलदत्त, नूतन की फिल्म-३
२५. अक्षय, अजय, करिश्मा, नगमा की 'तेरे लिए जानम' गीत वाली फिल्म-३
२७. अक्षय कुमार, करीना, प्रियंका की फिल्म-४
३१. 'कहाँ गये ममता भरेदिन' गीतवाली फिल्म-२
३३. 'बाबूजी जरा धीरे चलो' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
३४. अमिताभ, ओमपुरी, फरदीन, करीना की 'जब नहीं' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 735

सूडोकु -736

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -735 का हल

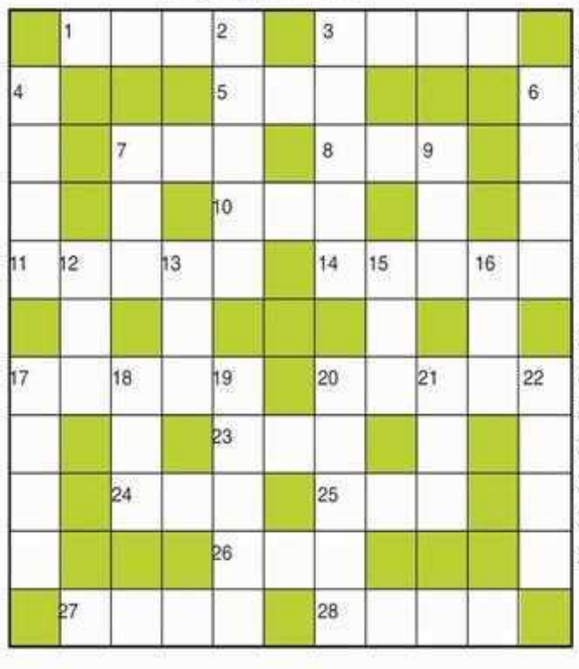

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

शब्द पहेली - 736

बाएँ से दाएँ

1.छुट्टी,रजा-4
3.वध,आघात-4
5.दशानन-3
7.अनमोल,अनूठा-3
8.अनाथ,बेसहारा-3
10.खजूर-3
11.रहम करना-2,3
14.गहराई नापना-2,3
17.लगातार,सतत-5
20.संतुष्ट होना-2,3
23.बीच में,दौरान-3
24.खुश,आनंदित-3
25.शिक्षा-3
26.शोक-3
27.जांचना,परखना-4
28.धार्मिक विधि का आयोजन करने वाला-4

ऊपर से नीचे

2.मयखाना,मधुशाला-5
3.प्रेमकहानी-5
4.चापलूसी-4
6.नटना,वचन तोड़ना-4
7.फिजूल,व्यर्थ-3
9.अव्यवस्थित समूह,भीड़-3
12.गुजर करना-3
13.वेग,गति-3
15.खूबसूरत-3
16.पर्वतीय मैदान, समतल पर्वत-3
17.गुजारिश,मांग-4
18.सुअर-3
19.गुस्सा होना-5
20.ममतापूर्ण-5
22.अयोग्य, असंगत-4

शब्द पहेली - 735 का हल

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक रितु वालिया के लिये वालिया प्रिंटर्स, मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर-भिवानी हरियाणा 127201 से मुद्रित व मकान नंबर 1265, वार्ड नंबर 10, लोहारू जिला/शहर भिवानी हरियाणा 127201 से प्रकाशित किया।
ई मेल: lokparerna@gmail.com, फोन: 01252-259260, संपादक: श्रीमती रितु वालिया, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लोहारू (भिवानी) होगा।